C M Y K

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-72 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, गुरूवार 14 मई , 2025

आज का विचार

साथ अगर
अच्छे लोग का हो तो
बुरा वक्त भी
अच्छा हो जाता है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में काव्य ने किया गौरवान्वित

वर्कलोड की चिंता छोड़ो जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाओः सुनील गावस्कर

पहला कॉलम

ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा बढ़ी, और मजबूत होगा घेरा

नईदिल्ली,14 मई (ए)। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंचने और अब संघर्ष विराम के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने खुफिया एजेंसियों की सलाह पर नए खतरे का आकलन करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा को बढ़ा दिया है। विदेश मंत्री वर्तमान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जेड श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा में हैं। अब उनको देशव्यापी आवागमन के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा मिलेगी, जिसमें बुलेट प्रूफ कार भी शामिल होगी।

पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के समय 69 वर्षीय जयशंकर भारत के कूटनीतिक रूख का एक महत्वपूर्ण चेहरा बन गए थे। पिछले साल अक्टूबर में ही उनको वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी, जिसे अर्ब श्रेणी की गई है। अब विदेश मंत्री के काफिले में बुलेट प्रूफ वाहन और 22 सुरक्षा जवान शामिल होंगे।

अभी उनके साथ 12 सीआरपीएफ के सशस्त्र कमांडो हैं। पिछले साल उनकी सुरक्षा खालिस्तानी आतंकवादियों की धमकियों के बाद बढ़ाई गई थी।

कुछ अलग

अमृतसर के 7 गांवों तक पहुंचा जहरीली शराब का असर, अब तक 21 की मौत

पंजाब,14 मई (ए)। पंजाब के अमृतसर जिले में जहरीली शराब का कहर 7 गांवों तक पहुंच गया है, जहां अब तक 21 लोगों की मौत मेथेनॉल युक्त शराब पीने से हो चुकी है। मजीठा क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में बीमार लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। अभी 10 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें 6 लोग गंभीर बताए जा रहे हैं। पंजाब पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए अभी तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मंगलवार को पंजाब पुलिस को सूचना मिली थी कि मजीठा क्षेत्र के 3 गांव भंगली, मरारी कलां और थेरेवाल में 12 लोगों की मौत जहरीली शराब से हो गई है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो पाया कि रविवार को लोगों की तबीयत खराब हुई थी और सोमवार को उनकी मौत होने के बाद बिना बताए अंतिम संस्कार कर दिया गया।

इसके बाद मंगलवार को पातालपुरी, तलवंडी, खुम्मन, करनाला और भंगवान गांव से भी मौत की सूचनाएं आने लगी।

पुलिस ने बताया कि जिन 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उन्होंने बताया कि 600 किलो मेथेनॉल दिल्ली से ऑनलाइन मंगवाया गया था, जिससे शराब बनाई गई।

उन्होंने बताया कि इस काम में कई लोग जुड़े हैं, जिससे पुलिस को गिरोह का शक है। पुलिस की टीम दिल्ली भी रवाना हो गई है।

पंजाब सरकार ने पुलिस उपाधीक्षक और थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया है। भगवंत मान सरकार मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देगी।

खरी-खरी

शासकीय विद्यालयों में मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान का संचालन करने का अहम निर्णय

◆ कलाकारों और साहित्यकारों के लिए एक बड़ी राहत देने का निर्णय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए राज्य के शासकीय विद्यालयों में मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान का संचालन करने का अहम निर्णय लिया गया। इस अभियान के अंतर्गत शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, पालक-शिक्षक सहभागिता बढ़ाने और शैक्षणिक उपलब्धियों को उन्नत करने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष फोकस किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अभियान के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया जाएगा। अभियान के तहत विद्यालयों का सामाजिक अंकेक्षण कर गुणवत्ता के आधार पर ग्रेडिंग की जाएगी। कमजोर शालाओं की नियमित मॉनीटरिंग विभिन्न विभागों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। मॉडल शालाओं का चयन कर, कमजोर शालाओं के शिक्षकों को वहाँ शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। पालक-शिक्षक बैठकों (पीटीएम) के माध्यम से अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों में वृद्धि के लिए कक्षा शिक्षण प्रक्रियाओं में सुधार किया जाएगा।

मंत्रिपरिषद ने साहित्य और कला के क्षेत्र में राज्य के अथार्भावग्रस्त कलाकारों और साहित्यकारों के लिए एक बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। विधानसभा बजट सत्र में की गई घोषणा के

परिपालन में अब कलाकारों को दी जाने वाली मासिक वित्तीय सहायता (पेंशन) को 2000 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। इसके लिए संस्कृति विभाग अंतर्गत संचालित वित्तीय सहायता योजना नियम-1986 में संशोधन के प्रस्ताव का मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन किया गया। इससे उन कलाकारों और साहित्यकारों को आर्थिक संबल मिलेगा, जो आजीविका के लिए संघर्षरत हैं। यह योजना वर्ष 1986 में प्रारंभ की गई थी, तब न्यूनतम सहायता राशि 150 रुपये और अधिकतम 600 रुपये निर्धारित थी। बाद में वर्ष 2007 में इसे बढ़ाकर 1500 रुपये और फिर 2012 में 2000 रुपये किया गया। लेकिन पिछले 12 वर्षों में कोई वृद्धि नहीं हुई थी। वर्तमान में राज्य में कुल 162 कलाकारों को यह पेंशन दी जा रही है। वर्तमान में हर कलाकार को सालाना 24 हजार रुपये पेंशन मिल रही है, जो संशोधन के बाद बढ़कर 60 हजार रुपये हो जाएगी। इससे कुल वार्षिक व्यय 38.88 लाख रुपये से बढ़कर 97.20 लाख रुपये हो जाएगा, जिससे राज्य पर 58.32 लाख रुपये का अतिरिक्त वार्षिक भार आएगा।

मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में औद्योगिक विकास को और अधिक गति देने एवं भूमि आबंटन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम, 2015 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इस संशोधन से औद्योगिक क्षेत्रों, लैंड बैंक तथा अन्य भूमि खंडों के आबंटन की प्रक्रिया में और अधिक स्पष्टता व पारदर्शिता आएगी, इससे औद्योगिक निवेशकों को भूमि आबंटन प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझने व लाभ उठाने में सुविधा होगी। मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में कई महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दी है। इससे राज्य की औद्योगिक नीति और अधिक रोजगारपरक, व्यापक और उद्यमों के लिए लाभकारी हो जाएगी। प्रस्तावित संशोधन से राज्य में रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे साथ ही आधुनिक खेती से लेकर खिलौना उद्योग तक को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं को मिलेगा रोजगार - नई नीति के तहत जिन कंपनियों में छत्तीसगढ़ के लोगों को नौकरी मिलेगी, उन्हें सरकार की तरफ से अनुदान मिलेगा। हाइटेक खेती को बढ़ावा - अब हाइड्रोपोनिक और ऐयरोपोनिक जैसी आधुनिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। किसानों को नई तकनीक, जैसे ऑटोमेशन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स का फायदा मिलेगा। युवाओं के लिए ट्रेनिंग और खेल की सुविधाएं - राज्य में खेल अकादमी और निजी प्रशिक्षण केंद्रों को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे युवाओं को बेहतर ट्रेनिंग और करियर के अवसर मिलेंगे। गुणवत्ता पूर्ण विश्वविद्यालयों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलेगा। ऑटोमोबाइल रिपेयरिंग और सर्विस सेंटर को सभी विकासखण्ड समूहों में मान्य किया जाएगा। पर्यटन और होटल व्यवसाय को बढ़ावा - बस्तर और सरगुजा संभाग में होटल और रिसॉर्ट बनाने के लिए निवेश की न्यूनतम सीमा घटा दी गई है, जिससे इन इलाकों में पर्यटन बढ़ेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। कपड़ा उद्योग को दोगुना प्रोत्साहन टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश करने पर अब 200 प्रतिशत तक का प्रोत्साहन मिलेगा। इससे सिलाई, कढ़ाई और बुनाई जैसे काम करने वालों को भी फायदा मिलेगा। लॉजिस्टिक हब बनेगा छत्तीसगढ़ - अब राज्य के हर हिस्से में माल ढुलाई और व्यापार को आसान बनाने के लिए नई लॉजिस्टिक नीति लाई जाएगी। इससे व्यापारियों को फायदा होगा और बाजारों तक पहुंच आसान होगी। दिव्यांगजनों को विशेष लाभ - दिव्यांगजनों की परिभाषा को नया रूप दिया गया है ताकि उन्हें ज्यादा योजनाओं का लाभ मिल सके। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, रक्षा और एयरोस्पेस सेक्टर को विशेष पैकेज, निजी औद्योगिक पार्क के लिए अधोसंरचना अनुदान में बढ़ोत्तरी तथा प्लग एंड प्ले फैक्ट्री निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश में इज आफ लिविंग को बढ़ावा देने हेतु, न्यूनतम 500 विद्यार्थी क्षमता के कक्षा पहली से 12वीं निजी सीबीएसई मान्यता प्राप्त स्कूल एवं मल्टिप्लेक्स युक्त मिनी मॉल से वंचित प्रदेश के नगरीय क्षेत्र एवं नगरीय क्षेत्र से भिन्न विकासखण्ड मुख्यालय से 10 किलोमीटर की परिधि तक के क्षेत्र में प्रथम तीन इकाई को थ्रस्ट सेक्टर की भांति सम्मिलित किया जाएगा।

पाकिस्तान ने बीएसएफ कांस्टेबल पीके साहू को लौटाया, 20 दिन पहले गलती से चले गए थे सीमा पार

पाकिस्तान के कब्जे में पीके साहू

भारत लौटने के बाद ताजा फोटो

नई दिल्ली । पाकिस्तान के खिलाफ भारत को एक और सफलता मिली है। पाकिस्तान ने सीमा सुरक्षा बल (क्रस्न) के जवान पीके साहू (क्कय स्ड्डद्ध) के सुरक्षित लौटा दिया है। बुधवार सुबह पीके साहू अटारी-वाघा बॉर्डर के जरिए भारत लौट आए।

पुर्नम कुमार साहू (पीके साहू) २३ अप्रैल को गलती से पाक सीमा में चले गए थे और पाकिस्तान के रेंजर्स ने पकड़ लिया था। आमतौर पर जब कोई सैनिक गलती से सीमा में चला जाता है तो उसे लौटा दिया जाता है, लेकिन इस केस में २० दिन का वक्त लग गया।

इसका कारण यह था कि २२ अप्रैल को ही पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के संबंध बिगड़ गए। पीके साहू की वापसी के लिए दोनों देशों के बीच फ्लैग मीटिंग भी हुई, लेकिन पाकिस्तान नहीं माना।

अब दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम होने के बाद पाकिस्तान ने बीएसएफ जवान को लौटा दिया। इसे दोनों देशों के बीच बेहतर होते संबंधों के रूप में देखा जा रहा है।

पत्नी ने लगाई थी गुहार

पीके साहू को जब पाकिस्तान ने रिहा करने में टालमटोल की तो उनका परिवार परेशान हो गया। उनकी पत्नी रजनी ने सुरक्षित वापसी के लिए गुहार लगाई। उन्होंने पठानकोट और फिरोजपुर में सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी मुलाकात की थी।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया तो भी परिवार की अनिश्चितता बढ़ गई। पिता भोलानाथ ने कहा था कि हम टीवी पर आने वाले हर खबर देख रहे हैं, इस उम्मीद में कि कहीं से अच्छी सूचना मिले।

बहरहाल, पीके साहू की वापसी के बाद अब परिवार ने राहत की सांस ली है। अब उनका मेडिकल टेस्ट होगा और पाकिस्तान में हुए बर्ताव के बारे में जानकारी ली जाएगी।

नया फिटमेंट फैक्टर क्या हो सकता है और वेतन में कितनी वृद्धि होगी

0 देश के कर्मचारी संघ फिटमेंट फैक्टर पर जोर दे रहे हैं।

0 वे इसे २.८६ पर निर्धारित करने का आह्वान कर रहे हैं।

0 संशोधन से मूल वेतन और पेंशन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मोदी सरकार द्वारा ८वें वेतन आयोग की घोषणा के बाद से प्रत्याशित फिटमेंट फैक्टर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह कारक बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका उपयोग केंद्र सरकार के कर्मचारियों के मूल वेतन को अपडेट करने के लिए किया जाता है। लगभग १.२ करोड़ केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनभोगी अपने वेतन और लाभों में पर्याप्त वृद्धि की उम्मीद में इस पर स्पष्टीकरण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

फाइनेंशियल एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा आने वाले हफ्तों में ८वें वेतन आयोग के संदर्भ की शर्तें जारी किए जाने की उम्मीद है।

ञ्शक्र को अंतिम रूप देने के बाद अध्यक्ष और अन्य महत्वपूर्ण सदस्यों की नियुक्ति की जाएगी। नए आयोग के लिए ४० पदों की भर्ती के संबंध में, जिनमें से अधिकांश पदों को प्रतिनियुक्ति के माध्यम से भरा जाएगा।

वित्त मंत्रालय ने पिछले महीने पहले ही दो परिपत्र जारी किए थे। कर्मचारी संघ फिटमेंट फैक्टर पर जोर दे रहे हैं।

कई लोग इसे २.८६ पर निर्धारित करने का आह्वान कर रहे हैं। इस तरह के संशोधन से मूल वेतन और पेंशन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

हालांकि, संभावित वित्तीय बोझ को देखते हुए, सूत्रों का संकेत है कि सरकार के लिए इस मांग को पूरा करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अहम सवाल अभी भी यह है कि वेतन में कितनी वृद्धि होगी।

फिटमेंट फैक्टर २.८६ हो या १.९२, केवल मूल वेतन ही प्रभावित होता है। अगर फैक्टर १.९२ पर सेट किया जाता है तो न्यूनतम मूल वेतन लगभग ३४,५६० रुपये तक बढ़ सकता है।

हालांकि यह आंकड़ा उत्साहजनक लगता है, विशेषज्ञों का कहना है कि इस बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा केवल पेंशनभोगियों के लिए वर्तमान महंगाई राहत और कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता की भरपाई के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इसलिए कुल टेक-होम वेतन में शुद्ध वृद्धि काफी कम हो सकती है।

मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ीं, हाईकोर्ट ने 6 घंटे में एफआईआर दर्ज करने को कहा

0 मंत्री विजय शाह मुसीबत में और घिरते जा रहे हैं।

0 बीती रात जहां भाजपा ने भी उन्हें समझाइश दी।

0 कांग्रेस ने चौतरफा विरोध

जबलपुर। हाई कोर्ट ने आपरेशन सिंदूर की नायिका कर्नल सोफिया कुरैशी पर अनर्गल टिप्पणी के मामले में स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की। इसी के साथ सख्ती बरतते हुए प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के विरुद्ध तत्काल एफआईआर के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ ने साफ किया कि हर हाल में बुधवार को शाम तक एफआईआर हो जानी चाहिए। अन्यथा गुरुवार सुबह डीजीपी के विरुद्ध अवमानना की कार्रवाई होगी। कोर्ट ने महाधिवक्ता कार्यालय को निर्देश दिया कि आदेश की प्रति अविलंब डीजीपी को भेजें। ऐसा इसलिए ताकि निर्देश का पालन संभव हो। कोर्ट ने १५ मई को मामला टाप आफ द लिस्ट सुनवाई के लिए रखा है। रजिस्ट्रार आईटी से अपेक्षा की है कि मंत्री विजय शाह ने महिला सैन्य अधिकारी के विरुद्ध जो बयान दिया है, उसकी विडियो लिंक कलेक्ट कर कोर्ट के पटल पर रखें। राज्य की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह खडे हुए।

कोर्ट ने समय नहीं दिया

उन्होंने सरकार से इंस्ट्रक्शन प्राप्त करने के लिए समय दिए जाने पर बल दिया। किन्तु कोर्ट ने समय नहीं दिया।

इस मामले में कोर्ट ने नईदुनिया जबलपुर संस्करण सहित अन्य मीडिया रिपोट्र्स पर संज्ञान आधारित सुनवाई प्रारम्भ की है।

कोर्ट ने कहा है कि मंत्री शाह रायकुंडा गांव, आंबेडकर नगर, मऊ गए थे, जहां उन्होंने सेना की वरिष्ठ अधिकारी की गरिमा के विरुद्ध अत्यंत अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया।

कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर की गई विवादित टिप्?पणी के बाद मध्?य प्रदेश के मंत्री विजय शाह मुसीबत में और घिरते जा रहे हैं।

बीती रात जहां भाजपा ने उन्?हें समझाइश दी, वहीं आज कांग्रेस ने चौतरफा विरोध का मोर्चा खोल दिया है। इस बीच अब खबर ये भी आई है कि हाईकोर्ट ने भी इस पर संज्ञान लेकर कड़ा रवैया अपनाया है।

हाईकोर्ट ने ऑपरेशन सिंदूर की नायिका सोफिया कुरैशी पर अनर्गल टिप्पणी के मामले में स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की। प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के विरुद्ध अविलंब विधि सम्मत कारवाई के निर्देश दिए। कोर्ट ने छह घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

कल डीआईजी को हाजिर होने निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोट्र्स पर संज्ञान लिया गया था।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ के समक्ष राज्य की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह खड़े हुए। फिलहाल, विस्तृत आदेश प्रतीक्षित है।

कांग्रेस हुई हमलावर, खोला विरोध का मोर्चा विजय शाह के बयान के मामले पर मध्?य प्रदेश कांग्रेस सक्रिय हो गई है। आज कांग्रेस ने अपने एक्?स हैंडल पर एक से अधिक पोस्ट किये। एक पोस्?ट में लिखा कि आज भोपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने श्यामला हिल्स पुलिस थाने में मंत्री विजय शाह के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने हेतु आवेदन दियाङ्घ कर्नल सोफिया कुरैशी का अपमान देश की सेना का अपमान हैङ्घ पूरा देश इस बयान से आहत है

पहला कालम

करंट से चरवाहे की मौत मामले में आरोपी गिरफ्तार

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। तरबूज की खेत को चोरों और मवेशीयो से बचाने के उद्देश्य से खेत के फेंसिंग में इलेवन केवी का करेंट प्रवाहित कर देने और उसके चपेट में आकर चरवाहे की मौत मामले के फरार गैर इरादतन हत्या के फरार आरोपी शैलेन्द्र साहू पिता लोचन साहू को जयनगर पुलिस ने आज गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर दिया है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत जमदेई राझापारा निवासी ३८ वर्षीय बबल उर्फ भोंदल यादव पिता रति राम यादव ७ मई की शाम मवेशी चराकर घर लौटने के दौरान गांव के ही शैलेन्द्र साहू के तरबूज खेत में सुरक्षा की दृष्टि से लगाए गए झटका मशीन की तार जिसमें करेंट प्रवाहित की गई थी जिसकी चपेट में आने से चरवाहा की मौत हो गई थी। मामले में मृतक के परिजन की रिपोर्ट पर आरोपी शैलेंद्र साहू पिता लोचन साहू के खिलाफ धारा १०५ व विद्युत अधिनयम की धारा १३५ के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना की जा रही थी। जिस पर पुलिस ने मंगलवार को फरार आरोपी शैलेंद्र साहू को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर दिया है।

मनचलों में गैंगवॉर,मारपीट के साथ गाड़ियों में कर दी तोड़फोड़

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। कोयलांचल में लचर पुलिसिंग से चोरों के बाद अब मनचलों के हौसले बुलंद हैं।अभी पांच दिवस पूर्व मनचले किस्म के युवकों में गैंगवॉर की घटना के बाद बिश्रामपुर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के बाद काउंटर केस दर्ज किया था।घटना के बाद अब पुनः सोमवार शाम पुराने विवाद को लेकर दोनों पक्ष के लोग आपस में भीड़ गए।बताया जाता है कि बिश्रामपुर चोपड़ा माइनस कॉलोनी के युवकों ने बीती रात स्टेशन पहुंच पुराने मारपीट की घटना में शामिल युवकों को लाठी डंडा ले खोजबीन करने पहुंचे थे जिसके बाद स्टेशन और माइनस कॉलोनी के युवकों के वापसी के दौरान अम्बेडकर चौक में आमने सामने हो गए जिसके बाद जमकर लाठी डंडे चले कुछ देर बाद दूसरे पक्ष के युवकों ने दशहरा मैदान पहुंच मारपीट में शामिल युवकों को दौड़ाया जिसके बाद युवक मौके पर बाईक छोड़ भाग निकले जहां मौके पर पड़ी बाइक में युवकों ने जमकर तोड़फोड़ कर दी।दोनो पक्षों में युवकों के गैंगवॉर की घटना की जानकारी मिलते दशहरा मैदान पहुंची पुलिस ने मौके पर पड़ी आधा दर्जन बाईक जप्त कर थाने ले आई है।घटना के दूसरे दिवस देर शाम तक किसी भी पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।जिससे पुलिस भी कुछ बताने की स्थिति में नहीं हैं।बिश्रामपुर पुलिस की उदासीनता से कोयला कबाड़ चोरों के बाद अब मनचलों के हौसले बुलंद हो गए है।ऐसा प्रतीत होता है कि नगर में पुलिसिंग नाम की कोई चीज बची ही नहीं है।

ओवर ब्रिज से नीचे गिरा युवक हो गई मौत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सुबह चार बजे भोर के करीब करंजी रेलवे साइडिंग के समीप अंडर ब्रिज की बजाय ऊपर से साइकिल में पार हो रहे ग्रामीण की अनियंत्रित होकर नीचे गिरने से मौत हो गई। करंजी पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि प्रतापपुर इलाके के ग्राम गौरा का रहने वाला किशुन पिता हजारी अगरिया ४० वर्ष चार दिन पहले अपने ममेरे भाई भैयालाल अगरिया के घर करंजी आया था। इस दौरान उसने राकेश राजवाडे के घर एक दिन मजदूरी की थी। मजदूरी राशि नही मिलने पर सोमवार को तड़के चार बजे वह साइकिल से अपने घर गौरा जाने के लिए निकला था। उसी दौरान करंजी रेलवे साइडिंग के समीप अंडरब्रिज के नीचे से जाने की बजाय वह ऊपर से साइकिल पार करने लगा। उसी दौरान अनियंत्रित होकर नीचे गिरने की वजह से उसकी मौत हो गयी।

राशन कार्ड मिलने से फुलमानी को मिली राहत

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। बलरामपुर जिले के विकासखंड बलरामपुर के ग्राम संतोषीनगर की रहने वाली श्रीमती फुलमानी पति धनुधारी, एक सामान्य ग्रामीण महिला हैं, जो काफी समय से राशन कार्ड में अपने नाम की प्रविष्टि के लिए प्रयासरत थीं। सही जानकारी और मार्गदर्शन के अभाव में वे बार-बार परेशान होती रहीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चलाए जा रहे सुशासन तिहार अभियान अंतर्गत प्रथम चरण में फुलमानी ने राशन कार्ड में नाम जोड़ने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है जिसके तहत संबंधित विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदन का तत्काल निराकरण किया गया और समाधान शिविर जतरो में फुलमानी को नवीन राशन कार्ड प्रदान कर दिया गया, राशन कार्ड मिलने के बाद श्रीमती फुलमानी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा अब मुझे पीडीएस दुकान से पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न मिलेगा ।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में काव्य ने किया गौरवान्वित

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। नगर पंचायत शिवनंदनपुर निवासी तायल ज्वेलर्स के संचालक विकास तायल के पुत्र काव्य तायल ने सीबीएसई १२ वीं परीक्षा में ९८.२५ प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है।

एनएच 43 पर दुर्घटना रोकने लगाए गए स्ट्रीट लाइट दो माह से बंद, राहगीरों की बढ़ी मुश्किलें

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। वर्ष भर पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग ४३ (एनएच ४३) पर रेहर गायत्री मार्ग कुरुआ मोड़ से लेकर टोल बैरियर के पहले हनुमान मंदिर तक के करीब ढाई किलोमीटर क्षेत्र सहित इसी मार्ग में पचीरा के करीब दुर्घटनाजन्य स्थल घोषित कर वहां स्ट्रीट लाइट लगाए गए थे। यह पहल जिला प्रशासन की ओर से की गई थी ताकि अंधेरे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

जिसमें एन एच प्रबंधन ने करीब एक करोड़ का निविदा निकाल इस कार्य को ठेकेदार के माध्यम से पूरा कराया था।स्ट्रीट लाइट सहित हाई मास्ट लाइट स्थापना के बाद चिन्हित स्थलों में दुर्घटनाओं में काफी कमी आई थी, लेकिन अब पिछले दो महीने से स्ट्रीट लाइट का लाभ मिलना बंद हो गया है। पहले जहां इन लाइटों के लगने से दुर्घटनाओं में कमी देखी गई थी, अब फिर से यह क्षेत्र अंधेरे में डूबा हुआ है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है।बताया गया कि कुरुआ मोड़ के पास लगे ट्रांसफार्मर में पिछले दिनो बिजली गिरने से विद्युत व्यवस्था बाधित हो गई है जबकि टोल बैरियर से पहले हनुमान मंदिर के पास पी एच ई द्वारा पाइप लाइन बिछाने खोदे गए गड्ढे से केवल कट जाने से स्ट्रीट लाइट सेवा ठप्प पड़ी है।

स्थानीय निवासियों — लक्षण सिंह, अशोक कुमार, केश्वर प्रसाद, श्याम लाल, जय प्रकाश, श्याम केश्वर और करमू राम — ने इस मामले की शिकायत कलेक्टर से करते हुए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है।

शिकायतकताओं का कहना है कि लाइट लगाते समय एन एच अधिकारियों ने आश्वस्त किया था कि एक वर्ष तक रख-रखाव की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार की होगी, लेकिन अब न विभाग और न ही ठेकेदार इस ओर कोई ध्यान दे रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइट की मरम्मत कर व्यवस्था को बहाल किया जाए ताकि राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

नगर पंचायत पत्थलगांव में आयोजित सुशासन तिहार के तहत समाधान शिविर में शामिल हुई विधायक गोमती साय

पत्थलगांव (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्त्वाकांक्षी पहल "सुशासन तिहार" अब राज्य के कोने-कोने तक अपनी छाप छोड़ रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की इस जनकल्याणकारी योजना के अंतर्गत शासन जनता के द्वार तक पहुँच रहा है और समस्याओं का तुरंत समाधान किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज नगर पंचायत पत्थलगांव में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें *विधायक श्रीमती गोमती साय* ने स्वयं उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने कई आवेदनों को प्राथमिकता देते हुए अनेक मुद्दों का स्थल पर ही समाधान सुनिश्चित किया।

जनसंवाद, त्वरित समाधान और सेवाओं की सीधी पहुँच ने आम जनता के बीच विश्वास को और भी मजबूत किया है। यह शिविर न केवल समस्याओं के समाधान का माध्यम बना, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि छत्तीसगढ़ सरकार आमजन के साथ खड़ी है — हर वक्त, हर स्थान। आज के कार्यक्रम मे मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल, पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल मित्तल, मण्डल अध्यक्ष अंकित बंसल, हेमन्त बंजारा, अवधेश गुप्ता,जनपद अध्यक्ष संगीता सिंह, हरजीत भाटिया,सुनील गर्ग, विशु शर्मा,श्याम नारायण गुप्ता,रेणु विश्वास, भुनेश्वरी बेहरा, सहित जनपद सदस्य,समस्त विभागों के पदाधिकारी भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकताओं सहित बड़ी संख्या मे ग्रामीण उपस्थित हो कर सुशासन के इस महापर्व को सार्थक और सफल बनाए।

खदान पहुंच मार्ग में पुलिया क्षतिग्रस्त,आवागमन के दौरान जख्मी हो रहे कामगार

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। एसईसीएल बिश्रामपुर के कुमदा सात आठ खदान पहुंच मार्ग में स्थित पुल के पिछले बारिश में क्षतिग्रस्त हो जाने और सूचना के बाबजूद प्रबंधन द्वारा एक वर्ष बीत जाने के बाद भी इसके मरम्मत हेतु पहल नहीं किए जाने से इस मार्ग में आवाजाही करने वाले खदान के कर्मी सहित ग्रामीण लगातार दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं।बताया जाता है कि सात आठ खदान से कमलापुर, दतिमा,बिश्रामपुर सहित आधा दर्जन गांवों के लोगों का इसी मार्ग से आवागमन होता है।गत वर्ष बारिश में पुल के बह जाने के बाद बीएमएस के पदाधिकारियों ने इस बाबत सह क्षेत्र प्रबंधक सहित जिम्मेदार अधिकारियों को ज्ञापन सौंप नए पुल की निर्माण की मांग किया था लेकिन अब साल बीत जाने के बाद भी अब तक इस ओर कोई प्रगति नहीं है।बीएमएस के प्रेम जायसवाल ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुल से आवागमन के दौरान तीन दिनों पूर्व खदान का कर्मी हजरत अली चोटिल हो गया उसे बाएं पैर में चोटे आई है इसके पूर्व भी कई लोग क्षतिग्रस्त पुल को पार करने के चक्कर में चोटिल हो चुके हैं।

उन्होंने प्रबंधन से क्षतिग्रस्त पुल का बारिश के पहले निर्माण की मांग की है ताकि कर्मचारियों को हो रही असुविधा दूर की जा सके।

आत्महत्या समाज के लिए अभिशाप, डॉ हेमेंद्र

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में समाजशास्त्र विषय में आत्महत्या टॉपिक पर एक दिवसीय ऑनलाइन मोड में व्याख्यान का आयोजन गत दिवस संपन्न हुआ। विद्वान अतिथि डॉ. हेमेंद्र सेन शासकीय रेवती रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत समाजशास्त्र के अतिथि व्याख्याता निशांत मिंज ने संस्था के प्राचार्य डी पी कोरी से विद्वान अतिथि का परिचय तत्पश्चात डॉ सेन को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया ।डॉ सेन ने इस दौरान अपने उद्बोधन में युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृति पर बोलते हुए कहा कि आज समाज के हर वर्ग की युवा पीढ़ी में आत्महत्या जैसी अभिशाप कुंठा बना हुआ है, युवा पीढ़ी अपने मंजिल को प्राप्त करने में हताश होकर ऐसा कदम उठा लेते हैं जिससे परिवार में समस्या उत्पन्न हो जाती है ,आज देखने में आ रहा है की पढ़ने वाले छात्र छात्राएं भी अच्छे नंबर नहीं आने पर आत्मग्लानि महसूस करते हैं और आत्महत्या कर लेते हैं ,आत्महत्या करने के कई कारण है विभिन्न कारणो की रूपरेखा को बताते हुए डॉ सेन ने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि आज हर समस्या का समाधान है, इसलिए युवा पीढ़ी अपने अंतर मन मे जाकर देखे और जो संसार में सबसे बहुमूल्य जीवन है उस जीवन को जी करके बताएं जीवन में सुख दुख आते हैं उसका सामना करके अपने जीवन को सादगी पूर्ण बीतने से किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आती है। आत्मज्ञान ऐसा ज्ञान है जो बुराइयों से दूर करता है, अपने से बड़ों के साथ सत्संग बड़ों के कहे हुए बात को विचार कर अपने जीवन में उतारने से आत्महत्या जैसी अभिशाप मन में नहीं आते है ।उन्होंने कहा कि आत्महत्या एक गंभीर विषय है इस अभिशाप को दूर करने के लिए शासन स्तर में भी छात्र-छात्राओं को और समाज को नुक्कड़ नाटक स्लोगन के माध्यम से जागरूक किया जाता रहा है, हम सभी का दायित्व है कि हम अपने बच्चों को सही मार्गदर्शन करें ताकि वे हताश ना होवे आत्महत्या जैसा विचार बड़े-बड़े महापुरुषों के जीवन में भी आया जिसे महापुरुषों ने इसे अपने सद्विचार के माध्यम से दूर किया है इसलिए समाज के हर वर्ग इस विषय पर गंभीर होकर युवा पीढ़ी को सही मार्गदर्शन करें ताकि किसी प्रकार से आत्महत्या का विचार किसी के मन में ना आवे ।कार्यक्रम का संचालन एवं आभार समाजशास्त्र के अतिथि व्याख्याता निशांत मिंज के द्वारा किया गया ।इस अवसर पर महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्तकरण निर्देश पर संघर्ष मोर्चा ने विरोध जताया

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय विद्यालय व उनमें कार्यरत शिक्षकों के विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्तकरण के निर्देश का छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने दोनों जिला संचालक शकमलेश सिंह व संदीप पाण्डेय जी के नेतृत्व में कड़ा विरोध किया है तथा शिक्षा सचिव स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन व डीईओ सरगुजा के नाम पर जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा को आज ज्ञापन सौपा गया है और बताया कि युक्तियुक्तकरण के लिए जो विसंगतिपूर्ण दिशा निर्देश जारी किया गया है उसके अनुसार युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया से पूरे राज्य की शैक्षणिक व्यवस्था चौपट हो जाएगी विदित है कि वर्ष २००८ के सेटअप के अनुसार शालाओं में शिक्षकों की पद स्थापना की गई है जिसके तहत वर्तमान में शालाओं में प्राथमिक शालाओं में एक प्रधान पाठक व दो सहायक शिक्षक व मिडिल स्कूल में एक प्रधान पाठक व चार शिक्षकों की व्यवस्था दी गई है जबकि वर्तमान युक्तियुक्त करण में प्रत्येक शालाओं से एक-एक शिक्षक का पद ही विलोपित कर दिया जा रहा है जिसका शिक्षक संघर्ष मोर्चा कड़ा विरोध दर्ज करता है इससे न केवल वर्तमान शैक्षणिक व्यवस्थाओं पर ही कुठाराघात है बल्कि शिक्षकों का भविष्य भी अंधकार में प्रतीत होता है इसे विभिन्न स्तरों पर शाला त्यागी बच्चों की संख्या में भी बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना होगी व शैक्षणिक गुणवत्ता भी प्रभावित होगी इन्होंने बताया कि युक्ति युक्त करण के पूर्व प्राचार्य व्याख्याता प्रधान पाठक प्रा शाला व मा शाला एवम शिक्षक के पदों पर लंबित पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण करने स्थांतरण नीति लागू करने से युक्तियुक्तकरण की बहुत सी समस्या का समाधान हो जाएगा और उसके बाद भी युक्तियुक्तकरण की जरूरत पड़ती है तो पूर्व स्वीकृत सेटअप के अनुसार युक्तियुक्तकरण किया जाए आज के इस एकदिवसीय ज्ञापन संबंधित कार्यक्रम में संघर्ष मोर्चा के बहुत सारे साथी उपस्थित रहे दोनों संचालकों ने अपने संयुक्त बयान में कहा है कि यदि शासन प्रशासन हमारी उचित मांगों पर विचार नहीं करता है और विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्तकरण का हमेशा विरोध रहेगा। और जरूरत पड़ने पर सड़कों पर भी संघर्ष करने के लिए शिक्षकों को मजबूर होना पड़ेगा... आज इस ज्ञापन कार्यक्रम में मोर्चा के प्रांतीय संचालक मुकेश मुदलियार , जिला सह संचालक राकेश दुबे, संतोष यादव, राजेश सिंह,डुमेश वर्मा , भूपेंद्र सिंह, अमित सोनी , विकास भगत, देवकन्या गुप्ता , परमानंद गुप्ता, ओपी जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

जिले में पुराने वाहनों के लिए अनिवार्य, 16 मई से विशेष शिविरों की होगी शुरूआत

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा केंद्रीय मोटरयान अधिनियम १९८८ एवं केंद्रीय नियम १९८९ में दिये गये प्रावधनों, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के साथ समय-समय पर जारी अन्य निदेर्शो के अतिरिक्त माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शो के अनुपालन में राज्य के समस्त पुराने (०१ अप्रैल २०१९ के पूर्व पंजीकृत) वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण प्लेट लगवाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसी क्रम में सरगुजा जिले में १६ मई २०२५ से भ्ैन्च लगाने हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। श्री मिथलेश कुमार वर्मा, परिवहन निरीक्षक को दल प्रभारी नियुक्त करते हुए विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम गठित की गई है। १६ मई २०२५ को जनपद पंचायत, अम्बिकापुर, श्री आशीष मिश्रा, सहायक प्रोग्रामर १७ मई २०२५ को कलेक्ट्रेट परिसर, अम्बिकापुर, श्री विष्णु भास्कर, नगर सैनिक २० मई २०२५ को जनपद पंचायत, लखनपुर, श्री कुलदीप सिंह, नगर सैनिक २१ मई २०२५ को जनपद पंचायत, बतौली, श्री अंकित राज, ॥स्क्रक्क ऑपरेटर २२ मई २०२५ को जनपद पंचायत, सीतापुर श्री राजकिशोर बेक, ॥स्क्रक्क फिट्टर २३ मई २०२५ को जनपद पंचायत, मैनपाट,श्री सुखी राम, ॥स्क्रक्क ऑपरेटर २४ मई २०२५ को प्रतीक्षा बस स्टैण्ड, अम्बिकापुर,श्री जंगल साय, २६ मई २०२५ को जिला चिकित्सालय, अम्बिकापुर इसके अतिरिक्त, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, अम्बिकापुर में भी प्रत्येक कार्य दिवस (सोमवार से शुक्रवार) को नियमित ॥स्क्रक्क शिविर आयोजित किया जा रहा है।

परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है

शासन की योजना से संवर रहा मासूमों का भविष्य, चिरायु के तहत हो रहा निशुल्क ऑपरेशन

चिरायु योजना से अंकित को मिला नया जीवन, मुस्कराया बचपन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम केंद्र एवं राज्य शासन की एक महत्वाकांक्षी और जनकल्याणकारी योजना है जिसका उद्देश्य बच्चों में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान कर उनका निःशुल्क उपचार प्रदान करना है। इसी के अंतर्गत जिले के कई जरूरतमंद बच्चों का सफल ऑपरेशन हुआ है विकासखंड रामचन्द्रपुर के ग्राम मिनुवाखांड निवासी श्री उदय कुमार के बेटे अंकित का होट एवं तालू जन्म से ही कटा हुआ था। उसको बोलने, खाने और सामान्य रूप से जीवन जीने में काफी मुश्किलें आ रही थी। तब उदय कुमार ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम सनावल की टीम से संपर्क किया। चिरायु योजनांतर्गत स्वास्थ्य दल द्वारा सनावल में प्रारंभिक जांच किया गया। सीमित संसाधनों के चलते उदय कुमार के लिए बड़े शहर ले जाकर अपने बेटे का ईलाज करा पाना संभव नहीं था।ऐसे समय में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम उनके बेटे अंकित के लिए आशा की किरण बनकर सामने आई। चिरायु योजनांतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अंकित को रायपुर ले

जाकर निजी अस्पताल मे उसकी सफल सर्जरी कराई। सर्जरी उपरांत अंकित का होट एवं तालू अब ठीक हो गया है तथा अन्य बच्चों की तरह सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा है।अंकित के पिता उदय कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से रायपुर ले जाया गया, जहां सम्पूर्ण जांच उपरांत अंकित के होंठ एवं तालू की सर्जरी की गई। वे कहते है कि जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से चिरायु योजनांतर्गत अंकित का डीकेएस हॉस्पिटल रायपुर में सफल सर्जरी हुई। इसके लिए उदय कुमार ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग को धन्यवाद देते हुए कहते हैं कि ऑपरेशन से मेरे बच्चे की जिन्दगी बेहतर हुई है। उदय कुमार के चेहरे की मुस्कान यह बताती है कि चिरायु योजना ने कैसे उसके बच्चे का बचपन लौटा दिया है और यह इस योजना की सार्थकता भी सिद्ध कर रही है।

उल्लेखनीय है कि चिरायु योजनांतर्गत चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों का दल विभिन्न शासकीय स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों में समय-समय पर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराती है। सामान्य बीमारियों से ग्रसित बच्चों को संस्था स्तर पर ही चिरायु दल द्वारा उपचार प्रदान किया जाता है एवं गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों को राज्य नोडल एजेंसी द्वारा अनुमोदन उपरांत रायपुर के निजी चिकित्सालयों में निःशुल्क उपचार कराया जाता है। गौरतलब है कि कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में चिरायु योजना के अंतर्गत इस वर्ष २०२५ में विकासखंड रामचन्द्रपुर क्षेत्र के ०४ बच्चों का होट व तालू का निःशुल्क ऑपरेशन रायपुर के निजी अस्पताल में कराया गया है। गत वर्ष १२ बच्चों के होंठ एवं तालू का निःशुल्क ऑपरेशन किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी दी है कि चिरायु योजना अंतर्गत जन्म से कटे होंठ व तालू का ऑपरेशन निःशुल्क कराया जाता है। ईलाज के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय व राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम शाखा में संपर्क किया जा सकता है।

छोटी खबरें

ज्येष्ठ मास में बेल और मधुर रस का सेवन लाभकारी, बैंगन और लाल मिर्च से करें परहेज- नाड़ीवैद्य डॉ. नागेंद्र शर्मा

कोरबा अम्बिकावाणी - ग्रीष्म ऋतु का सर्वाधिक प्रभावशाली महीना ज्येष्ठ (जेठ) मास १३ मई से आरंभ हो चुका है, जो ११ जून तक रहेगा। इस दौरान तेज धूप और लू से शरीर में जल की कमी होने लगती है, जिससे कई प्रकार के रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में खान-पान और दिनचर्या में सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। इसी विषय पर छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रसिद्ध आयुवेर्दाचार्य एवं नाड़ी वैद्य डॉ. नागेंद्र नारायण शर्मा ने विस्तृत जानकारी दी है। डॉ. शर्मा ने बताया कि भारतीय परंपरा में ऋतुचर्या का विशेष स्थान है। हर ऋतु और मास में प्रकृति के अनुसार आहार-विहार करना शरीर को स्वस्थ और रोगमुक्त बनाए रखने में सहायक होता है। ज्येष्ठ माह में सूर्य की प्रखरता अधिक होती है, जिससे शरीर में जल की कमी, पाचन दुर्बलता, और लू लगने की आशंका बनी रहती है।

क्या खाएं, क्या न खाएं- इस माह में बेल, संतरा, तरबूज, आम, मौसंबी जैसे रसयुक्त और शीतल फल अत्यंत लाभकारी माने गए हैं। अनाजों में जौ, चावल, मक्के की खीर, सत्तू तथा दालों में चना, तुअर और मसूर को उपयुक्त बताया गया है। सब्जियों में लौकी, ककड़ी, तुरई, सहजन, करेला, पुदीना, चौलाई और पालक आदि का सेवन लाभदायक होता है। मसालों में जीरा, धनिया, हल्दी, इलायची, पुरानी इमली और पतली दालचीनी का प्रयोग करें। वहीं दूसरी ओर बैंगन, लाल मिर्च, टमाटर, चुकंदर, मूली, फूलगोभी, गेहूं, बाजरा, उड़द की दाल, पपीता तथा बासी व गरिष्ठ भोजन का सेवन नुकसानदायक बताया गया है।

जीवनशैली में करें ये बदलाव- डॉ. शर्मा के अनुसार, ज्येष्ठ मास में प्रातः जल्दी उठकर सुपाच्य व ताजा भोजन करना चाहिए। दिन में अधिक से अधिक पानी पिएं और भोजन के बाद थोड़ी देर विश्राम करें। धूप में जाने से बचें या उपयुक्त बचाव के उपाय करें। योग, ध्यान और हल्के व्यायाम लाभकारी होते हैं, परंतु अधिक श्रम से बचना चाहिए। इन बातों से रहें सावधान- प्रातः देर तक सोना, रात्रि जागरण करना, तामसिक और अत्यधिक तैलीय व मसालेदार भोजन का सेवन, धूप में बिना सुरक्षा के निकलना—ये सभी आदतें शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं।

डॉ. शर्मा ने महाभारत का उल्लेख करते हुए कहा- ज्येष्ठामूलं तु यो मासमेकभक्तेन संक्षिपेत। ऐश्वर्यमतुलं श्रेष्ठं पुमान्स्त्री वा प्रपद्यते। अर्थात, ज्येष्ठ मास में दिन में एक बार भोजन करना व्यक्ति को निरोग और ऐश्वर्यशाली बनाता है।

आउटब्रेक और रोग प्रवृत्ति की पहचान के लिए स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की समुदाय आधारित निगरानी वेबसाइट

कोरबा अम्बिकावाणी - क्षेत्र में बीमारियों के प्रकोप (आउटब्रेक) और रोग प्रवृत्ति (डिसीज ट्रेंड) की समय रहते पहचान करने के उद्देश्य से भारत सरकार के आईडीएसपी (एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम) और आईएचआईपी (इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म) द्वारा एक समुदाय आधारित निगरानी वेबसाइट लॉन्च की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी ने जानकारी देते हुए बताया कि अब स्थानीय निवासी अपने क्षेत्र में किसी भी प्रकार की असामान्य स्वास्थ्य घटनाएं, रोगों के फैलाव अथवा संभावित बीमारी के प्रकोप की सूचना सीधे इस पोर्टल के माध्यम से दे सकते हैं। वेबसाइट पर जानकारी देने के लिए नागरिकों को अपना मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा, जिस पर प्राप्त ओटीपी डालकर सूचना की पुष्टि करनी होगी। साथ ही, यदि कोई सहायक साक्ष्य जैसे दस्तावेज, चित्र या अन्य प्रमाण हैं, तो उन्हें भी पोर्टल पर अपलोड किया जा सकता है। इस संबंध में जिले के सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में किसी भी प्रकार की असामान्य बीमारी की सूचना तत्काल पोर्टल पर दर्ज करें, जिससे समय रहते रोग नियंत्रण की दिशा में प्रभावी कदम उठाया जा सके।

जंगलों में 'हरा सोना' बना ग्रामीणों का सहारा, सुरक्षा की मांग तेज

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा जिले के वनांचल क्षेत्रों में इन दिनों तेंदूपत्ता तोड़ने का कार्य चरम पर है। गर्मी के इन महीनों में जब खेती-बाड़ी का कोई खास कार्य नहीं होता, तब वनवासी परिवार जंगलों की ओर रुख कर तेंदूपत्ता तोड़कर अपने जीवन-यापन का साधन जुटाते हैं। यह च्हरा सोनाज न केवल स्थानीय लोगों के लिए आर्थिक सहारा बनता है, बल्कि जंगल आधारित रोजगार का बड़ा जरिया भी है। ग्राम पंचायत सरभोका की सरिता बाई बताती हैं कि वह प्रतिदिन सुबह-सुबह अपने परिवार के साथ जंगल की ओर जाती हैं और दिनभर तेंदूपत्ता तोड़कर शाम को घर लौटती हैं। सरिता कहती हैं, "तेंदूपत्ता तोड़ना आसान काम नहीं है। जंगल में हर वक्त जानवरों का डर बना रहता है। खासकर हाथी, भालू और जंगली सूअर की अचानक मौजूदगी से जान का खतरा होता है। रोजगार का साधन, लेकिन सुरक्षा की दरकार-तेंदूपत्ता एकत्रीकरण से ग्रामीणों को प्रति बोरा भुगतान किया जाता है। कुछ लोग रोजाना २ से ३ बोरा पत्ता तोड़ लेते हैं, आमदनी खासकर उन परिवारों के लिए संजीवनी समान है जिनके पास कोई स्थायी रोजगार नहीं है। हालांकि इस कार्य में जोखिम भी कम नहीं है। वन क्षेत्र में लगातार हाथियों की मौजूदगी और उनकी आक्रामकता कई बार जानलेवा साबित होती है। पिछले दिनों जंगली भालू जंगली सूअर और बीता कल बताती पंचायत में एक महिला पर हाथी ने हमला कर दिया था, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल है। वन विभाग से सुरक्षा की मांग- ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से मांग की है कि तेंदूपत्ता तोड़ने के दौरान वन मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। जंगलों में निगरानी दल तैनात किए जाएं ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके। बंजारी सरपंच जजमान ने कहा कि तेंदूपत्ता तोड़ने वाले हमारे वनवासी भाई-बहन न केवल जंगलों की सेवा कर रहे हैं, बल्कि अपने परिश्रम से हरे सोने को संजो रहे हैं। शासन को चाहिए कि इनके लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें और समय पर भुगतान सुनिश्चित करें।

तेंदूपत्ता तोड़ने गई महिला पर हाथी का हमला, हालत गंभीर

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा वनमंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत बताती से एक बड़ी खबर सामने आई है। जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गई महिला पर जंगली हाथी ने अचानक हमला कर दिया। महिला की पहचान अनुपाबाई (३६ वर्ष) के रूप में हुई है, जो अपने पति के साथ जंगल गई थी। जानकारी के अनुसार, अचानक एक जंगली हाथी ने महिला पर हमला कर दिया। इस दौरान पति ने साहस का परिचय देते हुए हाथी को खदेड़ा और पत्नी की जान बचाई। गंभीर रूप से घायल अनुपाबाई को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि इलाके में हाथियों की लगातार आवाजाही हो रही है, जिससे आमजन भयभीत हैं। उन्होंने वन विभाग से स्थायी समाधान और सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है।

बालको ने डिजिटल नवाचार के साथ प्रचालन उत्कृष्टता एवं सुरक्षा को दिया बढ़ावा

कोरबा अम्बिकावाणी - वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर अपने पूरे मूल्य श्रृंखला में अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रचालन उत्कृष्टता और सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बालको ने कई डिजिटल नवाचार किये हैं जिससे प्रचालन में सकारात्मक बदलाव आया है। सस्टेनेबल और ऊर्जा-कुशल संचालन को बढ़ावा देने के लिए बालको ने अपने पॉटलाइन में एक नया रीलाइनिंग डिजाइन अपनाया है। १०० प्रतिशत ग्रैफिटाइजेशन के बाद से ऊर्जा की खपत में ४०० किलोवाट-घंटा प्रति मीट्रिक टन की कमी आई है, जिससे करंट एफिशिएंसी में सुधार हुआ है और उत्सर्जन में भी कमी आई है। इसके साथ बालको ने फिनिशिंग लाइन एरिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिमुलेटर को एकीकृत किया है, जो प्रक्रिया मापदंडों का व्यापक विश्लेषण करने में सक्षम हैं। यह समाधान रोल्ड प्रोडक्ट्स के उत्पादन को अधिकतम करने के लिए अनुकूल स्थितियों की पहचान कर प्रक्रिया दक्षता को बेहतर बनाते हैं। एआई आधारित उन्नत तकनीक ने बालको के फर्नेस में एनोड निर्माण की गुणवत्ता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह रोबोट-आधारित तकनीक फर्नेस की रिफ्रेक्टरी संरचनाओं का स्वतः परीक्षण करती है, जिससे घिसाव और क्षति का सटीकता से पता चलता है और एनोड की गुणवत्ता बेहतर होती है, साथ ही संचालन की सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है।

बालको के १२०० मेगावाट बिजली संयंत्र में लागू किया गया एआई-संचालित कन्वेयर बेल्ट मॉनिटरिंग सिस्टम सुरक्षा और दक्षता दोनों को बढ़ाता है। यह सिस्टम कन्वेयर की स्वास्थ्य जांच, रियल-टाइम अग्नि अलर्ट और संचालन बेल्ट के पास मानव उपस्थिति की पहचान करता है, जिससे सुरक्षित संचालन सुनिश्चित होता है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको में हम अपने प्रत्येक प्रचालन क्षेत्र में डिजिटल नवाचार को एकीकृत कर रहे हैं जिससे एफिशिएंसी, सेफ्टी और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाया जा सके। हमारे डिजिटल पहल प्रचालन उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित कर रहे हैं जिससे हम भारत के एल्यूमिनियम उद्योग में नेतृत्व करते हुए सतत भविष्य के लिए योगदान दे रहे हैं। तकनीक का उपयोग अब एल्यूमिनियम च्भविष्य की धातुज उत्पादन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। डिजिटल परिवर्तन के तहत ६२ प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया जिससे मैनुअल कार्यों की जगह अब रियल-टाइम डेटा संग्रह ने ले ली है। संसाधनों का कुशल उपयोग संभव हुआ और निर्णय प्रक्रिया भी अधिक डेटा-आधारित हो गई है। मानव एवं मशीन इंटरैक्शन के बीच संतुलन सुनिश्चित हुई जिससे सुरक्षा मानकों को मजबूती मिली है। प्रक्रियाओं और संचालन में व्यापक विश्लेषणात्मक अंतर्दृष्टि प्रदान करके बालको ने सुरक्षा, स्थिरता और संचालन उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

बालको ने मजबूत सुरक्षा संस्कृत के निर्माण की दिशा में अपने प्रचालन क्षेत्र में कई अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया है। फिनिश्ड गुड्स टावर और ऐश एवं कोल कंट्रोल टावर २४३७ लाइव मॉनिटरिंग डैशबोर्ड की सुविधा प्रदान करते हैं, जो रीयल-टाइम जीपीए ट्रैकिंग और स्पीड मॉनिटरिंग के माध्यम से निरंतर और सुचारू प्रचालन सुनिश्चित करते हैं। सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए आंतरिक वाहन संचालन में अत्याधुनिक एआई तकनीक एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) और ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम (डीएमएस) को लागू किया गया है। ऑगमेंटेड एंड वर्चुअल रिएलिटी आधारित प्रशिक्षण केंद्र, वीडियो एनालिटिक्स, सस्टेनेबेलिटी मोबाइल ऐप और ई-लर्निंग पाठ्यक्रम जैसे डिजिटलीकरण के माध्यम से कर्मचारियों को सुरक्षा संस्कृति से जोड़ा गया है। सेंट्रलाइज्ड सिक्योरिटी ऑपरेशन्स सेंटर (सीएसओसी) डिजिटल इंटेलिजेंस और डेटा इनसाइट्स का उपयोग कर सुरक्षा, ट्रैफिक एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में बेहतर निर्णय लेने में सहायता करता है। कोल यार्ड में थर्मल निरीक्षण द्वारा संचालित हॉट स्पॉट डिटेक्शन सिस्टम सहित एंड-टू-एंड डिजिटल डैशबोर्ड द्वारा रियल टाइम डेटा की निगरानी जैसी परियोजनाएं सुरक्षा को सुनिश्चित करती हैं। संयंत्र में एलईडी लोगो प्रोजेक्टर का उपयोग फर्श पर सुरक्षा संकेतों को उजागर करने के लिए किया जाता है, जिससे कम रोशनी, धूल भरे और उच्च ट्रैफिक वाले क्षेत्रों में भी सुरक्षा संदेश स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

न्यायालय अपर कलेक्टर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

राजस्व पुनरीक्षण प्रकरण क्रमांक 202111021000007/23/अ-23/2021-22

//ईश्तहार/सूचना पत्र//

पुनरीक्षणकर्ता समीर लकड़ा आ० सीतल राम लकड़ा, निवासी ग्राम देवगढ़, तहसील सीतापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अम्बिकापुर के रा.प्र.क. 02/अ-23/2017-2018 (पक्षकार रामकुमार प्रति जुनेश मण्डल वगै०) में पारित आदेश दिनांक 08.10.2021 से क्षुब्ध होकर छ.ग.भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के तहत इस न्यायालय मे पुनरीक्षण प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान मे उक्त प्रकरण उत्तरवादीगण (1) रामकुमार आ. स्व. रामधन जाति चेरवा, उम्र-65 वर्ष निवासी ग्राम डिगमा थाना गांधीनगर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० (2) जुनेश मण्डल आ० श्री ज्ञान प्रकाश मण्डल उम्र-25 वर्ष, जाति नमोशुद्र ग्राम नेहरूनगर थाना गांधीनगर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० (3) मनिषा देवी पुत्री प्रदीप कुमार जाति उरांव निवासी ग्राम भैसामुण्डा थाना व तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर छ०ग० के इस न्यायालय में उपस्थिति के लिये प्रकरण दिनांक 26.05.2025 को नियत है।

अतः सभी उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 26/05/2025 को इस न्यायालय में दिन के 11:00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर उत्तरवादीगण के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अपर कलेक्टर
सरगुजा, अम्बिकापुर (छ०ग०)

न्यायालय अपर कलेक्टर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

राजस्व अपील प्रकरण क्रमांक 202206022700002/0210/APL/6/अ-6-अ/2023-2024

//ईश्तहार/सूचना पत्र//

अपीलार्थी विजय यादव आ० भगन उम्र-38 वर्ष व 1 अन्य निवासी ग्राम किरकिमा, थाना व तहसील लुण्ड्रा धौरपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी लुण्ड्रा धौरपुर के रा.प्र.क्र. 202206022700002/अ-6-अ/2023-2024 (पक्षकार विजय यादव व 1 अन्य प्रति पार्वती यादव व अन्य) में पारित आदेश दिनांक 28.02.2024 से क्षुब्ध होकर छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के तहत इस न्यायालय मे अपील प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान मे उक्त प्रकरण उत्तरवादीगण (1) पार्वती यादव पत्नी सियाराम उम्र-50 वर्ष (2) रिकेज आ० नेहरू उम्र-30 वर्ष, (3) सुमित्रा आ० सियाराम उम्र-25 वर्ष, (4) उर्मिला आ० सियाराम उम्र-24 वर्ष, सभी निवासी ग्राम जोरी थना व तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा, छ०ग० के इस न्यायालय में उपस्थिति के लिये प्रकरण दिनांक 26.05.2025 को नियत है।

अतः सभी उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 26/05/2025 को इस न्यायालय में दिन के 11:00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर उत्तरवादीगण के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अपर कलेक्टर
सरगुजा, अम्बिकापुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202505020700062/

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- अ-6 सन:- 2024-2025
अंबिकापुर प.ह.नं. 00015 [1691/7(0.0240हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- राहुल कुमार दुबे,
अनावेदक पक्षकार- शिवकुमारी

ईश्तहार

आवेदक राहुल कुमार दुबे आ० धमेन्द्र कुमार दुबे व अन्य निवासी मायापुर दुबे गली, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1691/7 रकबा 0.024 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार शिवकुमारी का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/06/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/05/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202505020700059/

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- अ-6 सन:- 2024-2025
अंबिकापुर प.ह.नं. 00015 [71/5(0.0400हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- विश्वनाथ मनियन,
अनावेदक पक्षकार- मु. गोममती मनियम,

ईश्तहार

आवेदक विश्वनाथ मनियन आ० स्व० एल० एस० मनियन व अन्य निवासी चोपड़ापारा नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 71/5 रकबा 0.040 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/06/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/05/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0............./अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दुर्गेश्वर कुमार आ० स्व० जयप्रकाश राम, निवासी ग्राम/नगर नमनाकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० वगै० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला, तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 233/18 रकबा 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 28/05/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202505020700061/

मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- अ-6 सन:- 2024-2025
अंबिकापुर प.ह.नं. 00015 [1691/4(0.0200हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- राहुल कुमार दुबे,
अनावेदक पक्षकार- शिवकुमारी

ईश्तहार

आवेदक राहुल कुमार दुबे आ० धमेन्द्र कुमार दुबे व अन्य निवासी मायापुर दुबे गली, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1691/4 रकबा 0.020 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार शिवकुमारी का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/06/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/05/2025 को जारी किया जाता है।

UMESHWAR SINGH BAJ
तहसीलदार
तहसील, अम्बिकापुर

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1018/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-कुदुरमाल जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय कुदुरमाल जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001067 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितिया 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत कुदुरमाल का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,
कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1020/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-रजगामार जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय रजगामार जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001034 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियों/ लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत रजगामार का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,
कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1022/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-चचिया जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय चचिया जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001028 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियों/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत चचिया का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,
कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1022/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-अरसेना जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय अरसेना जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001014 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियों/ लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत अरसेना का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,
कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1026/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-चिर्रा जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय चिर्रा जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001019 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियां/ लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत चिर्रा का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,
कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1028/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-बडगांव जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय बडगांव जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी.नंबर 552001013 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियां/ लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत बडगांव का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,
कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1030/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-मदनपुर जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय मदनपुर जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001026 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियां/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत मदनपुर का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,
कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1032/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-डोकरमना जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय डोकरमना जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001075 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2 महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियां/ लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत डोकरमना का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी-कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,
कोरबा, (छ०ग०)

संपादकीय

समझौते का उल्लंघन

पहलगाम हमले के बाद भारत–पाकिस्तान के दरम्यान चार दिनों से चले आ रहे संघर्ष के बाद दोनों देशों में सीजफायर की सहमति बनी। हालांकि पाक की तरफ से समझौते का उल्लंघन भी हुआ, परंतु सेना ने मुस्तैदी से उनके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया।

सेनाधिकारियों के अनुसार, जल, थल व वायु में सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बन गई है, मगर भारत की संप्रभुता को लेकर सेना सतर्क रहेगी। साथ ही पाक के उस दावे का खंडन भी किया गया, जिसमें भारतीय सेना द्वारा मस्जिदों को निशाना बनाने की बात की गई थी। बताया जा रहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूरइ में पड़ोसी मुल्क के चालीस सैनिकों समेत सौ आतंकी मारे गए, जबकि पांच भारतीय सैनिक शहीद हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाक की हर कार्रवाई पर सख्ती से जवाब देने को कहा, वहीं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शांतिपूर्ण वार्ता का मार्ग अपनाने की बात कर रहे हैं।

भारत के इस कड़े कदम को आतंकवाद पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। इससे दुनिया के समक्ष संदेश गया, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ भीतर घुसकर कार्रवाई करेगा और देश की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता न करने के प्रति दृढ़ है। मोस्ट वांटेड व खूंखार आतंकियों को मार गिराने के पीछे भारत की मंशा स्पष्ट थी। आंतरिक कलह से जूझ रहे पाक के भीतर आतंकवादियों के प्रति नाराजगी रखने वालों का बड़ा हिस्सा इस सफाये से काफी हद तक संतुष्ट भी बताया जा रहा है। मोदी के नेतृत्व में यह संघर्षविराम अपनी शतरे पर संभव हुआ है। इसीलिए कूटनीतिक निर्णय के आधार पर सिंधु जल समझौते का निलंबन बहरहाल जारी रखने का निर्णय लिया गया है। अटारी-बाघा सीमाएं बंद रहेंगी और पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा पर रोक रहेगी। हालांकि सीमावर्ती इलाकों के वाशिंदे अभी भी हमलों के डर से सुरक्षित स्थानों में शरण लिये हैं। युद्ध समस्या का हल नहीं है। यह हमें रूस-यूक्रेन की तबाही से सबक लेना होगा। बेशक शांतिपूर्ण मार्ग चुनने को विवेकपूर्ण व कूटनीतिक कदम माना जा रहा है। इसलिए सीजफायर का ऐलान होते ही सोमवार की सुबह बाजार खुलते ही शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। आतंकियों या दहशतगदरे को शरण देने का नतीजा पाक अच्छी तरह भुगत चुका है। उम्मीद की जा सकती है अपनी गलतियों को दोहराने और हेकड़ी दिखाने की बजाए वह समय रहते सबक ले तो यह दोनों देशों के हित में होगा तभी दुनिया में बेहतर संदेश स्थापित हो सकेगा।

ऑपरेशन सिंदूरः आतंकवादियों पर सेना ने बड़ी कार्रवाई

अजीत द्विवेदी

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को बेकसूर सैलानियों पर हमला करने, धर्म पूछ पर हत्या करने और महिलाओं के सामने उनके पतियों को गोली मार कर अपनी अमानवीयता व नृशंसता का परिचय देने वाले आतंकवादियों पर भारत की सेना ने बड़ी कार्रवाई की है। भारत का सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूरइ किसी मुल्क पर हमला नहीं है और न किसी देश के खिलाफ युद्ध का ऐलान है। यह आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने का सैन्य अभियान है। पूरा देश सेना की इस कार्रवाई के समर्थन में खड़ा है।

कह सकते हैं कि देश इसका इंतजार कर रहा था। आतंकवादी हमले के दो हफ्ते तक सेना ने अपनी तैयारी की ताकि सटीक जवाब दिया जा सके। हालांकि अब भी पहलगाम में मारे गए लोगों और वहां से विधवा होकर लौटी महिलाओं को इंसाफ नहीं मिला है। यह अधूरा इंसाफ है क्योंकि पहलगाम नरसंहार करने वाले पांचों आतंकवादी अभी तक पकड़े नहीं गए हैं और न उनके मारे जाने की सूचना मिली है। भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूरइ के तहत तीन बड़े आतंकवादी संगठनों को निशाना बनाया। लश्कर ए तैयबा के चार, जैश ए मोहम्मद के तीन और हिजबुल मुजाहिदीन के दो ठिकानों को सेना ने नष्ट किया। भारतीय सेना ने खुफिया एजेंसियों की सूचना पर अपना निशाना तय किया और लक्षित कार्रवाई की। सेना और खुफिया एजेंसियों को पहले से पता है कि बहावलपुर में मसूद अजहर के बनाए जैश ए मोहम्मद का मुख्यालय है। वहां सेना ने उसके मुख्यालय मरकज सुभान को नष्ट किया। इसी तरह मुरीदके शहर को हाफिज सईद के बनाए लश्कर ए तैयबा का गढ़ माना जाता है।

वहां सेना ने उमालकुरा मस्जिद को निशाना बनाया। यह भी खबर है कि मुरीदके में लश्कर के प्रशिक्षण शिविर मरकज ए तैयबा को नष्ट किया गया। इसके अलावा मुजफ्फराबाद में बिलाल मस्जिद और कोटली में अब्बत मस्जिद को भी निशाना बनाया गया। सियालकोट और बरनाला में भी भारतीय सेना ने आतंकवादियों के प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट किया है। पाकिस्तानी सेना की ओर से शुरूआती प्रतिक्रिया में कई 'मस्जिदों के शहीदइ होने की बात कही गई।

भारत ने बहुत सावधानी और बड़े सुलझे तरीके से पाकिस्तान की आतंकवादी कार्रवाई का जवाब दिया है। पहलगाम हमले के पीछे आतंकवादियों का दो मकसद था। पहला मकसद देश के सांप्रदायिक विभाजन बढ़ाने का था। उन्होंने धर्म पूछ कर हिंदुओं की हत्या की। महिलाओं के सामने उनके पतियों को गोली मारा और महिलाओं को संदेश पहुंचाने के लिए छोड़ दिया। लेकिन देश के लोगों ने संयम रख कर आतंकवादियों के मंसूबे को विफल कर दिया। आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सैन्य अभियान की जानकारी दी। इतनी बड़ी सैन्य कार्रवाई के बाद एक मुस्लिम महिला अधिकारी का प्रेस कॉन्फ्रेंस करना आतंकवादियों के धर्म पूछ कर हत्या करने का जवाब था। आतंकवादियों का दूसरा मकसद जम्मू कश्मीर में सामान्य हो रहे हालात और बेहतर हो रही अर्थव्यवस्था को बेपटरी करने का था। उम्मीद है कि राज्य की चुनी हुई सरकार, सुरक्षा बल और देश के नागरिक उनके इस मंसूबे को भी विफल करेंगे।

बहरहाल, यह वास्तविकता है कि पाकिस्तान कभी भी भारत के साथ युद्ध नहीं कर सकता है। उसको 1965 और 1971 की लड़ाई में सबक मिल गया है, जिसे उसने गांठ बांध ली है। इसलिए पिछले 54 साल में उसने कोई प्रत्यक्ष युद्ध नहीं लड़ा है। उसने 1971 की लड़ाई के बाद छद्म युद्ध का रास्ता चुन लिया। 1999 में करगिल में भी प्रत्यक्ष युद्ध नहीं हुआ था। वहां भी पाकिस्तानी सेना ने गुपचुप तरीके से भारतीय सीमा में घुस कर अपना शिविर बना लिया था। ठीक वैसे ही जैसे मालिक के लापरवाह होने पर चूहे घरों में घुस कर ठिकाना बना लेते हैं। वह भारत की लापरवाही थी लेकिन पाकिस्तानी सेना के सीमा में घुसने की जानकारी मिलने के बाद एक सीमित सैन्य कार्रवाई के जरिए भारत ने करगिल को मुक्त करा लिया था। सो, पाकिस्तान भारत के खिलाफ युद्ध नहीं कर सकता है। लेकिन वह छद्म युद्ध हमेशा जारी रखना चाहेगा क्योंकि इससे पाकिस्तान के शासकों और सैन्य अधिकारियों को संजीवनी मिलती है, वे पाकिस्तानी आवाम को बरगलाए रखने में कामयाब होते हैं और एक सीमा तक भारत को अशांत किए रहते हैं। इसलिए भारत को सीमा पार आतंकवादियों का नेटवर्क पूरी तरह से समाप्त करने की जरुरत है और साथ ही अपने खुफिया नेटवर्क व सुरक्षा तंत्र को ज्यादा बेहतर बनाने की भी जरुरत है।

इससे पहले भारत ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक किया था और नियंत्रण रेखा पार करके आतंकवादी शिविरों का सफाया किया था। उसके तीन साल बाद पुलवामा कांड हुआ तो भारत ने एयर स्ट्राइक करके कुछ आतंकवादी ठिकाने नष्ट किए। लेकिन इससे आतंकवाद का सफाया नहीं हुआ और न भारत को स्थायी राहत मिली। एक निश्चित अंतराल पर भारत में बड़े आतंकवादी हमले होते रहे हैं। पाकिस्तानी सेना के संरक्षण में आंतकवादी घुसपैठ करते हैं और सुरक्षा बलों व नागरिकों को निशाना बनाते है।

पिछले 10 साल में आतंकवादी हमले में छह सौ से ज्यादा जवान शहीद हुए हैं और करीब डेढ़ हजार जवान घायल हुए हैं। साढ़े तीन सौ से ज्यादा नागरिक मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। सोचें, यह शांति काल के आंकड़े हैं। जाहिर है पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद भारत को कई तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। दुनिया इससे परिचित है तभी पहलगाम कांड के बाद जब पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र संघ में पहुंचा तो सुरक्षा परिषद की बैठक में सदस्य देशों ने उलटे उसी को कठघरे में खड़ा किया।

असल में पाकिस्तान अपनी राष्ट्रीय नीति के तौर पर आतंकवाद को पालता पोसता है। उसके रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुद कबूल किया कि उनका मुल्क 30 साल से आतंकवादियों को प्रशिक्षण और प्रश्रय दे रहा है। बाद में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी इसकी पुष्टि की। हालांकि पाक रक्षा मंत्री ने आतंकवादियों को पालने पोसने की गतिविधि को अमेरिका और पश्चिमी देशों की रणनीति के साथ जोड़ दिया। हो सकता है कि सोवियत युद्ध या चीन के दखल की वजह से इससे दुनिया के कुछ देश जुड़े हों लेकिन उनका निशाना भारत नहीं है।

उन देशों के बहाने पाकिस्तान अपना भारत विरोधी एजेंडा चलाता है। इसलिए कह सकते हैं कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन, उनके नेता और ठिकाने मिथकीय राक्षस रक्तबीज की तरह हैं।

एक फिट और स्वस्थ भारत की समस्या ओबेसिटी

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन में भारतीय लोगों के स्वास्थ्य को लेकर निरंतर कदम उठाते हुए स्वस्थ भारत निर्मित करने के उपक्रम किए हैं। मोदी युग में स्वास्थ्य के प्रति भारत के दृष्टिकोण में महत्त्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित करते हुए मोटापे से जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने पर अधिक ध्यान दिया गया। मोदी ने मोटापे के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है, जिसमें भारतीयों से खाना पकाने के तेल की अपनी खपत कम करने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 23 फरवरी को 'मन की बातइ के 119वें एपिसोड में हेल्थ का जिक्र करते हुए कहा था, 'एक फिट और स्वस्थ भारत बनने के लिए हमें ओबेसिटी (मोटापा) की समस्या से निपटना ही होगा। एक स्टडी के मुताबिक, आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। बीते सालों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है।इ

प्रधानमंत्री ने सेहत के प्रति जागरूकता लाने और इस क्रम में मोटापे से लडने. के लिए अपने-अपने क्षेत्र के दस जाने-माने लोगों को नामांकित कर यही रेखांकित किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझने एवं समय रहते इसको नियंत्रित करने की अपेक्षा है। उन्होंने आनंद महिंद्रा, दिनेश लाल यादव निरहुआ, मनु भाकर, मीराबाई चानू, मोहन लाल, नंदन नीलेकणि, उमर अब्दुल्ला, आर. माधवन, श्रेया घोषाल, सुधा मूर्ति को नामांकित करते हुए अपेक्षा जताई कि ये सभी मोटापे के खिलाफ क्रांति की अलख जगाने के साथ खाद्य तेल की खपत कम करने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री ने इन लब्ध प्रतिष्ठित हस्तियों से दस-दस और लोग अभियान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नामांकित करने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री की यह पहल कुछ वैसी ही है, जैसी उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान को प्रारंभ करते समय की थी। इस जनोपयोगी पहल से देश में मोटापे के प्रति चेतना जाग्रत होगी और लोग मोटापे को नियंत्रित करने में सफल होंगे। लोगों में मोटापा बढने. के कई कारण हैं, जिनमें अति, अहितकर और प्रतिकूल भोजन के अलावा व्यायाम की कमी और तनाव शामिल हैं। पोषण में सुधार, गतिविधि बढ़ाने और जीवन शैली में अन्य बदलाव करने से लोगों को मोटापे को कम करने में मदद मिल सकती है। मोदी की पहल से मोटापा नियंत्रित करने के अनुकूल परिणाम तभी सामने आ सकते हैं, वांछित सफलता तभी संभव है, जब लोग समझेंगे कि स्वस्थ जीवन शैली उन्नत राष्ट्र ही नहीं, उन्नत स्वास्थ्य का भी आधार है।

आज की सुविधा एवं भौतिकतापूर्ण जीवन शैली मोटापा बढ़ाने का काम कर रही है। अब लोग उतना शारीरिक श्रम नहीं करते, जितना पहले अपनी सामान्य दिनचर्या के तहत किया करते थे। मोटापे को नियंत्रित करने में योग, ध्यान, प्रातःभ्रमण एवं व्यायाम की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। किसी विचारक ने लिखा भी है, 'मनुष्य के सबसे बड़े चिकित्सक हैं-शांति, प्रसन्नता और खुराक।इ यह हकीकत है कि लोग खानपान में संयम एवं सतर्कता बरतें, शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं और योग-व्यायाम को जीवन का हिस्सा बना लें तो मोटापे को भगा सकते हैं।

मोटापा अनेक बीमारियों का घर है, जो केवल कार्यक्षमता को कम करने का ही काम नहीं करता, बल्कि स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ाता है। जीवन को जटिल एवं अस्त-व्यस्त बना देता है। शरीर स्वस्थ रहता है, तो लोग मानसिक एवं भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रहते हैं, और अपना काम कहीं अधिक तत्परता एवं निपुणता से करते हैं। इसका लाभ केवल उन्हें ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और देश को भी मिलता है। यही सशक्त एवं विकसित भारत का आधार भी है। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वस्थ जीवन शैली की जरूरत को समझा, लेकिन इसके लिए जागरूकता अभियान छेडने. के साथ ही मिलावटी और दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री की बिक्री रोकने के लिए भी कुछ करना होगा। मोदी की पहल जहां स्वास्थ्य क्रांति का माध्यम बनेगी, वहीं मिलावट नियंत्रण के प्रति भी जागरूक करेगी। किसी से छिपा नहीं है कि देश में मिलावटी और दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री बनती एवं बिकती है। खाद्य पदाथरे की गुणवत्ता के मानकों की अनदेखी के चलते दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री घरों में भी इस्तेमाल होती है। इनमें खाद्य तेल एवं घी प्रमुख हैं। आज जब बाजार का खाना खाने का चलन बढ़ रहा है, तब सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी शुद्धता एवं गुणवत्ता से कोई समझौता न होने पाए। इसी अभिक्रम से भारत का जन-जन स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ भावनाओं का अखूट वैभव लिए शक्ति, स्फूर्ति, शांति, आनन्द एवं शारीरिक संतुलन से भरपूर दिव्य जीवन की यात्रा के लिए प्रस्थित हो सकता है। इससे हम मोटापा-मुक्त भारत के संकल्प को हकीकत बना सकते हैं। स्वस्थ भारत का संकल्प ही कालांतर विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में मददगार हो सकता है।

पाकिस्तान और आतंकवादियों को सबक सीखा दिया

पता नहीं भारत सरकार ने यह सिनेरियो विजुअलाइज किया था या नहीं कि पाकिस्तान के अंदर घुस कर आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के बाद पाकिस्तान ऐसी प्रतिक्रिया देगा, जिससे युद्ध भी छिड़ सकता है? हो सकता है कि भारत सरकार मान रही हो कि जैसे 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के एयर स्ट्राइक की तरह इस बार भी भारत की सैन्य कार्रवाई पर पाकिस्तान चुप रह जाए और मामला ठंडा पड़ जाए।

लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। तभी यह सवाल उठ रहा है कि पहले दो मौकों पर चुप रहे पाकिस्तान इस बार झगड़ा क्यों बढ़ा रहा? ध्यान रहे पहले दो मौकों पर भारत की कार्रवाई को लेकर सवाल उठे थे और पाकिस्तान ने भी कहा था कि उसके यहां कोई नुकसान नहीं हुआ।

लेकिन इस बार आतंकवाद के ढांचे को भारत ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है। इस बार भारत ने सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही सैन्य अभियान नहीं चलाया, बल्कि मेनलैंड पाकिस्तान के राजनीतिक रूप से सबसे शक्तिशाली पंजाब प्रांत में भी सैन्य कार्रवाई की। सोचें, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी पंजाब से हैं। वहां बहावलपुर, स्यालकोट और मुरीदके में भारत की फौज ने छह और सात मई की दरम्यानी रात को लक्षित हमला किया और आतंकवादियों के प्रशिक्षण शिविर को उड़ा दिया।

इसके अगले दिन यानी सात मई की सुबह जब इसके विजुअल्स आए और साढ़े 10 बजे विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई तो देश के लोग गर्व से भर गए कि उनकी सरकार और सेना ने पहलगाम में धर्म पूछ कर 26 हिंदुओं की हत्या करने की आतंकवादी घटना का बदला ले लिया गया। भारत के सैन्य अभियान का नाम 'ऑपरेशन सिंदूरइ रखा गया है। भले कुछ नारीवादी कार्यकर्ता इसे महिलाओं के लिए अपमानजनक कहें लेकिन व्यापक रूप से देश में इसकी तारीफ हुई है। महिलाओं के बीच इसकी भावनात्मक अपील बनी है।

ध्यान रहे पहले से देश भर की महिलाओं के मन में कहीं न कहीं उन महिलाओं से सहानुभूति थी, जिनके सामने उनके पतियों के सिर में गोली मारी गई थी। तभी 'ऑपरेशन सिंदूरइ से आम महिलाओं ने और व्यापक रूप से आम हिंदू घरों में एक भावनात्मक जुड़ाव बना। ऊपर से सरकार ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ दो महिलाओं को प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए बैठाया। भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने सेना की कार्रवाई का ब्योरा दिया। यह एक प्रतीकात्मक कदम था लेकिन यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि देश भर में इसका सकारात्मक मैसेज गया है। असल में इस बार पहलगाम की घटना के बाद से ही देश भर में एक जैसी धारणा बनी। 0 हरिशंकर व्यास

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1327

1	2	3	■	4	5	6	7
8			■	9			
	■	10		■	■	11	
12	13		■	14		■	
15		■	16		■	17	
■	18				■		■
19		■		■	20		21
	■	22			■	23	

संकेत: बाएं से दाएं

1. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था है, इसका मुख्यालय यहां स्थित है (3)
4. यह संविधान निर्माण करने वाला प्रथम देश है (4)
8. वैश्वांतर दानव की चार पुत्रियों में से एक इनके पुत्रों को कालकेय और पौलोम दानव कहते है (3)
9. शक्तिशाली, ताकतवर (4)
10. पंजाब की प्रसिद्ध प्रेम-कथा का नायक (2)
11. महलोक से दो करोड़ योजन दूर यह पांचवा लोक स्थित है, जहां से मनुष्य उत्पन्न होते है, व्यक्ति (2)
12. भोजन आदि के लिए दिया गया निमंत्रण, न्योता (3)
14. मटमैले रंग की प्रसिद्ध धातु (2)
15. बल्लेबाजों का मापदंड जो क्रिकेट के लिए तय होता है (2)
16. फिल्म इंडस्ट्री में राजेश खन्ना इस नाम से भी जाने गए, पिता के भाई (2)
17. आदान करना, मद्यपान करना (4)
18. स्पर्श करना, छुने वाला, स्पर्शक (4)
19. दक्ष प्रजापति की पुत्री (2)
20. ऐ खुदा, हे प्रभु (3)
22. पाटलीपुत्र का प्राचीन नाम (3)
23. प्रेमकर्ता, झूमने का भाव (2)

ऊपर से नीचे

1. दुकान वाला, विक्रेता (5)
2. सिलवट, सकुडन, शक्ति (2)
3. जिस शब्द के अंत ई हो (4)
4. इस समय, इस वक्त (2)
5. एकता (2)
6. रस्म, प्रथा, रीति (3)
7. किसी बात आदि को ध्यान से न सुनना (5)
13. औषधि पादप, पेड़, पौधे आदि (4)
14. इंडोनेशिया की राजधानी (3)
16. विमान में चालक की बैठने की जगह यह कहलाती है (4)
17. उधार देने वाला, ऋणद (4)
19. प्राचीनकाल की एक सवारी जिसे घोड़े खींचते थे (2)
21. तीन घंटे का समय, एक पहर (2)

वर्ग पहेली 57 1326 हल

सु	नी	ता	वि	लि	य	म्स	■
न	म	न	■	या	■	■	स
व	■	से	व	क	■	रो	जा
ना	गि	न	■	त	म	क	ना
■	र	■	पौ	■	त	ड़	■
र	फ्ता	र	■	ल	■	ब	स
वा	र	■	■	ग	वा	ही	■
ना	■	■	स	न	म	■	■

एकदा

जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर

धार्मिक आस्था अक्सर तथ्यों और तर्कों से ऊपर होती है। बेशक, इसमें किसी को दखल नहीं देना चाहिए। मगर संभावित जोखिम के प्रति आगाह करना सरकारों, खास कर स्वायत्त प्रशासनिक एजेंसियों का कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व दोनों ही है।

प्रयागराज में गंगा जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर है। इसमें मुख्य मुद्दा पर्यावरण की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने वाली भारत की सर्व-प्रमुख एजेंसी की केंद्रीय और उत्तर प्रदेश इकाई के बीच मतभेद का है। प्रश्न है कि ये एजेंसियां सभी स्तरों पर स्वायत्त ढंग से काम करती हैं, या ये सत्ताधारी दलों के सियासी एजेंडे से प्रभावित भी हो जाती हैं? स्वागतयोग्य है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने इसे गंभीरता से लिया है और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) से जवाब तलब किया है। पूछा है कि क्या यूपीपीसीबी की गंगा जल की स्वच्छता संबंधी रिपोर्ट केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के निष्कर्षों के विपरीत थी। सीपीसीबी लगातार पांच दिन के नमूनों की जांच के बाद इस नतीजे पर पहुंचा कि संगम का पानी पीने और नहाने योग्य नहीं है। फिर भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि ये पानी नहाने और आचमन दोनों के योग्य है। इसके पक्ष में उन्होंने यूपीपीसीबी की रिपोर्ट का हवाला दिया। अब एनजीटी ने सीपीसीबी की रिपोर्ट की रोशनी में यूपीपीसीबी से जल की गुणवत्ता के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

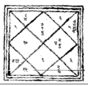

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14.04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यो में आपकी रुचि हो सकती है। आज किसी भी योजना को सोच-विचार करके कार्य रूप देने से लक्ष्य हासिल होगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना रिश्ते में मधुरता लाएगा। आज व्यवसाय संबंधी डील मिले तो उसे हासिल करने में ज्यादा सोच-विचार ना करें। क्योंकि आज सही समय पर ही किए कामों के नतीजे अनुकूल रहेंगे। घर में सुख-शांति का माहौल रहेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। कुछ समय से चल रहे पारिवारिक समस्याएं निपटने से घर में सुकून और शांति पूर्ण माहौल रहेगा। आज दूसरों के मामले में बिना मांगे सलाह नही दें। आप अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। आज अपने व्यस्त दिन से कुछ समय बच्चों के साथ बिताएं।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में ही व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि नहीं लेंगे। आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। इसका फायदा उठाना है, तो पुरानी नेगेटिव बातों को मन से निकालें।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपका काफी दिनों से रुका काम पूरा हो जाएगा, जिससे मन प्रसन्न होगा। जो काम पिछले काफी समय से रुके हुए थे, आज वह कम मेहनत से ही सफल हो सकते हैं। विद्यार्थी अपने अध्ययन के प्रति पूर्णता ध्यान केंद्रित रखेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम है। भाई-बहनों से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, वह दूर होगी। आज आपकी योजना समय से पूरी हो जाएंगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यस्थल पर अधिक मेहनत करनी होगी, अपनी कार्य क्षमता में कमी न आने दें। आज रुका हुआ पैसा मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी परिस्थितियां पहले से अनुकूल रहेंगी। व्यापारिक क्षेत्र में आपको मेहनत से आज अधिक लाभ होगा। आज आपको धन लाभ के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। आज दोस्तों के साथ ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। ऑफिस का महत्वपूर्ण कार्य करने में आज बिजी रहेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। आज बच्चे घर के काम में माता की मदद करेंगे, जिससे माता उनसे प्रसन्न रहेगी। धार्मिक कार्यों में आज आपकी व्यस्तता रहेगी।

मकर राशिः आज आर्थिक तौर पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। आपके व्यापार में लाभ के योग हैं। साथ में साइड बिजनेस कर सकते हैं। जिससे लाभ होने की संभावना बनेगी। जिन लोगों को पॉलिटिक्स में रुचि है, उन्हें बड़ा पद प्राप्त होने के योग हैं।

कुंभ राशिः आज आपका दिन बढि?।ा रहने वाला है। आज आप जॉब के लिए इंटरव्यू देने जाएंगे, जिसमें आपको सेलेक्ट कर लिया जाएगा। नया बिजनेस स्टार्ट करने से पहले किसी अनुभवी से सलाह लेंगे जिससे आपका बिजनेस अच्छे से चले। पुस्तकालय के कारोबारी नई ब्रांच खोलने का मन बना सकते हैं।

मीन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर ले।

साइबर सेफ्टी की फील्ड में ब्राइट करियर है एथिकल हैकिंग

हैकर शब्द सुनते ही हम थोड़ा डर जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते है कि कई कंपनीज हैकर्स को हायर करती है हैकर्स की मदद से कंपनीज सिस्टम के लूपहोल्स जानने की कोशिश करती है ताकि मेलिशियस एलिमेंट्स से डाटा बचाया जा सके। कंपनीज के लिए यह काम करने वाले कहलाते है, एथिकल हैकर्स। साइबर सेफ्टी की फील्ड में एथिकल हैकिंग आज एक ब्राइट करियर है।

आज टेक्नोलॉजी जितनी तेजी से बढ़ रही है, इंटरनेट पर साइबर क्राइम भी उतनी ही तेजी से बढ़ रहा है। इमेल एकाउंट हैक करना, सेंसिटिव डाटा चोरी करना, फर्जी मेल्स के जरिए पर्सनल डीटेल्स जानना, पासवर्ड्स डिटेक्ट करना कुछ ऐसे क्राइम्स हैं, जो हैकर्स आसानी से करते हैं. हालांकि इनके पीछे सिस्टम में मौजूद लूपहोल्स भी बड़ा कारण हैं। कंपनियां इन्हीं लूपहोल्स को डिटेक्ट करने के लिए हैकर्स की मदद लेती है, जिन्हें कहते हैं, एथिकल हैकर्स। आज एथिकल हैकिंग एक फुल-फ्लेज्ड करियर बन चुका है।

क्या है एथिकल हैकिंग?

एथिकल हैकर कंप्यूटर एक्सपर्ट्स का नेटवर्क होता है, जो आईटी सिस्टम में मौजूद लूपहोल्स को ढूंढते हैं और उन्हें दूर करते हैं ताकि सिस्टम सेफ रहे और मेलिशियस हैकर्स इसे हैक न कर पाएं। इसे पेनिट्रेशन हैकिंग भी कहा जाता है। इस काम को करने वाले प्रोफेशनल्स टेक्निकली काफी स्किल्ड होते हैं।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट होना या कंप्यूटर इंजीनियरिंग की डिग्री होना जरूरी है। इसके अलावा आपको सी, सी++, पायथन, रूबी जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस की जानकारी होनी चाहिए।आप सर्टिफिकेट कोर्स इन साइबर लॉ, एमएससी इन साइबर फॉरेन्सिक्स एंड इन्फॉर्मेशन सेक्योरिटी, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साइबर लॉ, एडवांस डिप्लोमा इन एथिकल हैकिंग, सर्टिफिकेट इन इन्फॉर्मेशन सेक्योरिटी एंड एथिकल हैकिंग, सर्टिफाइड इन्फॉर्मेशन सिस्टम सेक्योरिटी प्रोफेशनल जैसे कोर्सेज कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

एक अच्छा एथिकल हैकर वही बन सकता है, जो कंप्यूटर सेवी और गैजेट फ्रेंडली हो। आपमें एनालिटिकल थिंकिंग और डेडिकेशन जैसी क्वॉलिटीज होनी चाहिए, साथ ही इनिशिएटिव लेने और प्रॉब्लम सॉल्व करने की एबिलिटी भी होनी चाहिए। नए चेंजेस एडेप्ट करना और खुद को अपडेट करते रहना भी जरूरी है। इसके अलावा सॉफ्टवेयर और सिस्टम को टेस्ट करते समय अचानक आने वाले ट्रबलशूट्स को डील करने की क्वॉलिटी भी आपमें होनी चाहिए।

इवेंट मैनेजमेंट में बनाएं अपना कॅरियर

इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का अर्थ विशेष रूप से कार्यक्रमों, त्योहारों, संगोष्ठियों आदि जैसे कार्यक्रमों के डिजाइन और संचालन के लिए परियोजना प्रबंधन कौशल को लागू करना है। आज आईपीएल, साहित्य उत्सव, ओलंपिक या राष्ट्रमंडल खेलों सहित सभी प्रमुख आयोजनों का प्रबंधन इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा ही किया जाता है। मार्केट रिपोर्ट्स के मुताबिक इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में एमबीए उन युवाओं के लिए कई अवसर खोलेगा जो एक्शन, विविधता, चुनौती और बाहरी काम के शौकीन हैं। इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट को कई विश्वविद्यालयों में पेश किए जाने वाले जनसंचार का एक हिस्सा माना जाता है। इसलिए उम्मीदवार यूजी और पीजी स्तर पर इवेंट मैनेजमेंट कोर्स कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट खुदरा और विपणन क्षेत्र में बढ़ते रुझान के कारण तेजी से एक हॉट कॅरियर विकल्प के रूप में पकड़ रहा है, जिसमें शामिल है -

- लक्षित दर्शकों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करना
- विजुअलाइजिंग कॉन्सेप्ट्स
- योजना
- बजट
- निष्पादन की घटनाएं
- फैशन शो, संगीत कार्यक्रम, सेमिनार, प्रदर्शनियों, शादियों, थीम वाली पार्टियों, उत्पाद लॉन्च आदि पर काम करना।

इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर कैसे शुरू करें?

इवेंट मैनेजमेंट में अपना कॅरियर शुरू करने के लिए उम्मीदवारों को इस क्षेत्र में एक विशेष डिग्री हासिल करनी चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग होती है। उम्मीदवारों को उस पाठ्यक्रम की तलाश करनी चाहिए जिसका वे अध्ययन करना चाहते हैं और प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्रता की जांच करें। इवेंट मैनेजमेंट में अधिकांश एंट्री-लेवल जॉब्स इवेंट मैनेजमेंट में स्नातक की डिग्री या डिप्लोमा करके किया जा सकता है। हालांकि मेगा इवेंट आयोजित करने वाली बड़ी कंपनियों में प्रबंधकीय पदों या नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए उम्मीदवारों को प्रतिष्ठित संस्थानों से एमबीए या पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की आवश्यकता होगी।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए पात्रता मानदंड

उत्कृष्ट जनसंपर्क और नेटवर्किंग कौशल वाले स्नातक इस क्षेत्र का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि एक प्रतिष्ठित फर्म या कंपनी में इवेंट मैनेजर बनने के लिए अच्छे जनसंपर्क कौशल के साथ एमबीए की डिग्री होनी चाहिए। मार्केटिंग में अपने मास्टर के साथ जनसंपर्क में डिग्री होने से इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ होगा।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए स्किल्स और एट्रीब्यूट्स

एक इवेंट मैनेजर के पास अच्छा संचार कौशल होना चाहिए, चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आश्वस्त होना चाहिए और किसी स्थिति को समझने और ठीक से प्रतिक्रिया करने की क्षमता होनी चाहिए। उसके पास रचनात्मकता और संगठनात्मक कौशल होना चाहिए। टीम भावना और नेतृत्व कौशल अन्य पूर्वापेक्षाएँ हैं। उन्हें घटना के हर मिनट के विवरण को भी देखना होगा।

जॉब प्रोफाइल

इवेंट मैनेजमेंट प्रबंधन के नवीनतम क्षेत्रों में से एक है और लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। हालांकि इस क्षेत्र को अक्सर जनसंपर्क उद्योग की एक शाखा माना जाता है, यह बाजार का विस्तार कर रहा है और बहुत सारे रोजगार पैदा कर रहा है। विज्ञापन, पीआर और कॉरपोरेट कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद उम्मीदवार इवेंट मैनेजमेंट में भी अपना करियर बना सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में ढेरों नौकरियां उपलब्ध हैं। मौजूदा वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद, इवेंट मैनेजमेंट उद्योग लगातार तेजी से फल-फूल रहा है। बहुत सारे आयोजन होते हैं - शादियों, जन्मदिन पार्टियों और रियलिटी शो, फैशन और सांस्कृतिक शो पूरे देश में हो रहे हैं, जिससे कार्यक्रम योजनाकारों की मांग पैदा हो रही है। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में उपलब्ध जॉब प्रोफाइल इस प्रकार है -

- **वेडिंग प्लानर** - ऐसे जॉब प्रोफाइल में शादी के आयोजन से संबंधित हर मिनट के विवरण पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। एक वेडिंग प्लानर अपने ग्राहकों को विभिन्न विवाह समारोहों की योजना बनाने में मदद करता है।
- **स्टेज डेकोरेटर** - स्टेज डेकोरेटर इवेंट के लिए स्टेज लेआउट डिजाइन करने के लिए जिम्मेदार होता है। स्टेज डेकोरेटर की जिम्मेदारी में मंच पर प्रॉप्स को व्यवस्थित करना और रखना और मंच को आयोजन स्थल के अन्य सजावटी तत्वों के बीच खड़ा करना शामिल है।
- **रसद प्रबंधक** - रसद प्रबंधक घटना के लिए आवश्यक उपकरण, मेहमानों और अन्य चीजों के परिवहन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है।
- **प्रदर्शनी आयोजक** - एक प्रदर्शनी आयोजक की नौकरी की रूपरेखा एक कार्यक्रम योजनाकार की तरह होती है। प्राथमिक अंतर यह है कि एक प्रदर्शनी आयोजक योजना बनाता है और साथ ही मेलों और प्रदर्शनियों को निष्पादित करता है।
- **इवेंट प्लानर** - इवेंट प्लानर किसी इवेंट के सभी विवरणों की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। घटना एक सम्मेलन, कॉर्पोरेट घटना या शादी हो सकती है। एक इवेंट प्लानर थीम, लॉजिस्टिक्स से लेकर बजट तक इवेंट के लिए एक योजना बनाता है।
- **इवेंट मैनेजर** - इस जॉब प्रोफाइल में प्रत्येक इवेंट के पहलू के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है। एक इवेंट मैनेजर का काम किसी घटना को बिना किसी परेशानी के अवधारणा बनाना, योजना बनाना, व्यवस्थित करना और निष्पादित करना है।

इवेंट मैनेजमेंट में करियर के अवसर

इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में पारिश्रमिक उम्मीदवार की नौकरी की भूमिका और जिम्मेदारी पर निर्भर करता है। इसके अलावा, संगठन का आकार, ग्राहकों की प्रोफाइल, पेशेवर का अनुभव और फर्म का स्थान जैसे कारक भी उम्मीदवार का वेतन तय करते हैं। हालांकि इवेंट मैनेजमेंट में एक फ्रेशर 10,000 रुपये से 15,000 रुपये प्रति माह के बीच मासिक वेतन की उम्मीद कर सकता है। अनुभव और विशेषज्ञता के क्षेत्र के साथ सैलरी बढ़ती है। एक कुशल फ्रीलांसर या एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के मालिक के रूप में काम करके काफी पैसा कमाया जा सकता है। एक बार जब कोई इवेंट मैनेजर इस क्षेत्र में अनुभव प्राप्त कर लेता है तो वह अपने क्लाइंट के आधार पर 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये या उससे अधिक की फीस की उम्मीद कर सकता है।

ऑनलाइन किचन बिजनेस की करें शुरूआत होगा मोटा मुनाफा

वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आइए जानते है कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं। कहते है कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। जिस काम से आपका और आपके परिवार का खर्च निकल जाए, तो वह काम सबसे अच्छे होता है। आज के दौर में सबका जॉब पाना सबसे थोड़ा मुश्किल काम है। ऐसे में लोग खुद का स्टार्टअप खड़ा करने की सोच रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी कम लागत के साथ अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। आज के समय में एक नहीं कई ऐसे ऑनलाइन बिजनेस हैं। जिनको आप घर बैठे-बैठे आसानी से चला सकते हैं।

आज हम आपके लिए एक ऐसे ही होम बेस्ड बिजनेस आइडिया लेकर आए हैं। आप इस काम को घर बैठे कम से कम लागत के साथ शुरू कर सकते हैं। वहीं महिलाए इस काम को शुरू करके अच्छा खासा मुनाफा भी कमा सकती हैं। आपको बता दें कि आप घर से ऑनलाइन किचन ब?िजनेस की शुरआत कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको अपने किचन में बने खाने को बेचना होगा। किचन खाने को बेचने के लिए आपको उसे पैकर ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप के जरिए लोगों तक पहुंचाना होगा। वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आपका जो मैन्यू होगा उसी के हिसाब से आपके पास ऑर्डर आएगा। तो आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं।

कैसे शुरू करें बिजनेस

सबसे पहले इस बिजनेस को शुरू करने के लिए अपना किचन तैयार करें। फिर उस किचन रेस्टोरेंट का नाम तय कर लें। अब आपको FSSAI से फूड लाइसेंस लेना होगा। इसके लिए आपको ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके बाद फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, उबर, स्विगी और फूड पांडा आदि से अपने किचन रेस्टोरेंट को रजिस्टर करवा लें। फिर आपके यहां फूड डिलीवरी पार्टनर का एग्जीक्यूटिव विजिट करेगा। सब कुछ सही पाए जाने पर आपको अप्रूवल मिल जाएगा। जिसके बाद आपको ऑनलाइन ऑर्डर मिलने शुरू हो जाएंगे

ऐसे काम करेगा बिजनेस

बता दें कि जैसे ही आपको मोबाइल पर कोई ऑर्डर आता है, तो आप उस ऑर्डर के फूड को पैक कर दें। फूड पैकिंग के लिए आप किसी ऑनलाइन वेबसाइट से या मार्केट से जरूरी सामान खरीद सकते हैं। खाने का ऑर्डर लेने के लिए आपके पास डिलीवरी बॉय आएगा। डिलीवरी बॉय आपके ऑर्डर लेकर उस कस्टमर को देगा, जिसने खाना ऑर्डर किया था। इसके साथ ही फूड डिलीवरी एप और आपके बीच जो खाने के रेट को लेकर करार हुआ होगा। उसी हिसाब से वीकली आपके अकाउंट में पैसा आएगा।

हर दिन होगी इतनी कमाई

किचन रेस्टोरेंट की शुरूआत में हो सकता है कि आपको कम ऑर्डर मिले। लेकिन अगर आपके किचन से रोजाना 29 ऑर्डर मिले और आप हर ऑर्डर पर 50 रुपए की बचत करते हैं, तो हर दिन 1000 रुपए आपके पक्के होंगे। इस तरह के काम में किसी भी दिन छुट्टी नहीं होती है। ऐसे में आप महीने में कम से कम 30000 रुपए तक कमा सकते हैं। हालांकि अगर आप चाहें तो शाम का समय भी फूड सर्विस के लिए चुन सकते हैं।

डेटा साइंटिस्ट फील्ड में बनाएं कॅरियर, मिलेगी जबरदस्त ग्रोथ

डेटा साइंस शब्द से अक्सर आप रूबरू होते होंगे। जाहिर सी बात है लोगों के दिमाग में डेटा साइंस को लेकर कई सवाल भी रहते होंगे। वहीं कुछ लोग इन सवालों का जवाब पाने के लिए इंटरनेट का सहारा भी लेते हैं। अगर आप भी डेटा साइंट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करना चाहते है तो फिर यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेटा साइंस से जुड़े सभी सवालों के जवाब देने की कोशिश करेंगे।

आपको बता दें कि जैसे-जैसे देश-दुनिया में डेटा का महत्व बढ़ रहा है। उसी तेजी के साथ डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिटिक्स जैसे जॉब के अवसर भी सामने आ रहे हैं। बता दें कि बताया जा रहा है कि आने वाले 10-15 सालों में इस कोर्स का स्कोप काफी ज्यादा होगा। इस सेक्टर में नौकरियों की भरमार होने वाली है। ऐसे में अगर आपको लैपटॉप और कंप्यूटर की अच्छी खासी जानकारी है। तो डेटा साइंस से जुड़ा कोई भी कोर्स आपके लिए है। इस फील्ड में आप अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

BTech- Data Science

यह का कोर्स चार साल का होता है। इसे आप रेगुलर मोड में भी किया जा सकता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स को डेटा से जुड़े टूल्स और टेक्निक्स सिखाये जाते हैं। जिसकी मदद से डेटा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस कोर्स में यह भी बताया जाता है कि उस डेटा को कैसे काम में लाया जाता है। साथ ही इंजीनियरिंग फिजिक्स से लेकर अलग-अलग थ्योरीज को पढ़ाया जाता है।

BSc-Data Science

यह डिग्री कोर्स तीन साल का है। इसमें कई तरह के डोमेन होते हैं। जैसे- बिजनेस एनॉलिटिक्स, कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आदि। इस कोर्स में छात्रों को बिजनेस और कंप्यूटर के साथ AI के बारे में भी बताया जाता है। डेटा साइंस में बिग डेटा एनॉलिटिक्स, मशीन लर्निंग और स्टैटिस्टिक्स जैसे कई कॉन्सेप्ट्स पढ़ाए जाते हैं। जिनके इस्तेमाल से आम लोगों से जुड़ी समस्याओं को हल किया जाता है। डेटा साइंस में BSc करने के लिए छात्रों के 12वीं में 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है। इस कोर्स को करने से लिए 12वीं में साइंस स्ट्रीम का होना जरूरी है। अन्य स्ट्रीम वाले स्टूडेंट्स को भी कुछ कॉलेज एडमिशन देते हैं। यहां पर कॅरियर ऑप्शन की कमी नहीं है। बैंकिंग जैसे क्षेत्र में डेटा साइंटिस्ट, प्रोसेस एनॉलिस्ट, बिजनेस, हेल्थकेयर और बिजनेस एनालिस्ट की नौकरियां उपलब्ध हैं।

BCA

यह भी तीन साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है। इस कोर्स में कंप्यूटर और मैथमैटिकल साइंस से जुड़ा करिकुलम छात्रों को पढ़ाया जाता है। आज की तेजी से बदलती आईटी इंडस्ट्री को ध्यान में रख कर ये कोर्स बनाया गया है। इस कोर्स मे छात्रों को डेटा साइंस से जुड़े कॉन्सेप्ट्स को और उनके एप्लिकेशन को समझाने पर जोर दिया जाता है। इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट्स के 12वीं में 50 फीसदी अंक होने जरूरी हैं। इस कोर्स में साइंस स्ट्रीम वाले छात्रों को भी सुविधा दी जाती है। छात्रों को कॅरियर बनाने के लिए अनेक मौके यहां पर उपलब्ध हैं। विप्रो, अमेजॉन जैसी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में डेटा इंजीनियर, डेटा आर्किटेक्ट और डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर के पदों पर काम करने का मौका मिलता है।

डिप्लोमा इन डेटा साइंस

डेटा साइंस में डिप्लोमा दो साल का हो सकता है। इसमें स्टूडेंट्स को डेटा एनॉलिटिक्स और डेटा साइंस में ट्रेंड किया जाता है। बता दें कि डिग्री के मुकाबले डिप्लोमा कोर्स में कम खर्च होता है। इस कोर्स को करने से कम समय में ज्यादा स्किल्स सीखने का मौका मिलता है। 12वीं के बाद छात्र यूजी के बाद भी डिप्लोमा कर सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के बाद बिजनेस इंटेलीजेंस एनॉलिस्ट, रिसर्च एनॉलिटिक्स और एनॉलिटिक्स मैनेजर जैसे पदों पर काम करने के मौके हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

तकनीक के बढ़ते युग मे ऑनलाइन कोर्सेज की काफी भरमार है। दुनिया की कई बड़ी कम्पनियां ऐसे कोर्सेज को लेकर आ रही हैं। इसी लिस्ट में डेटा साइंस का सर्टिफिकेट कोर्स भी शामिल है। इस ऑनलाइन कोर्स कराने वाली कोर्सएरा, उडेमी जैसी कंपनियां इस कोर्स को करवाती हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को कंप्यूटर साइंस और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का आना अनिवार्य नहीं है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डेटा विजुअलाइजेशन जैसे कॉन्सेप्ट्स पढ़ाये जाते हैं।

चयनित विद्यार्थियों का होगा दस्तावेज परीक्षण 16 एवं 17 मई 2025 को

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में संचालित 2 एकलव्य संयुक्त आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु कक्षा 6वीं में विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए अंतिम मेरिट अनुसार चयनित एवं प्रतीक्षा सूची में शामिल विद्यार्थियों की सूची जारी कर 12 से 14 मई 2025 तक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यायलय पोड़ीडीह विकासखण्ड खड़गवां के ऑडिटोरियम कक्ष में कॉउसिलिंग आयोजीत की गई थी, जिसमें जिला अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति विद्यार्थियों का नाम सम्मिलित नहीं हुआ था, जिसे सम्मिलित करते हुए पुनः चयनित एवं प्रतीक्षा सूची जारी की जा रही है। चयनित एवं प्रतिक्षा सूची में उन परीक्षार्थियों को छोड़कर जो पूर्व तिथियों में आयोजित कॉउसिलिंग में सम्मिलित हुए थे शेष परीक्षार्थी 16एवं 17 मई 2025 को प्रातः 10 से दोपहर बाद 3 बजे तक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह के ऑडिटोरियम कक्ष में समस्त अभिलेख व दस्तावेजों के साथ उपस्थित होंगे।

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में पहली बार हुआ पंच संघ गठन- सोनहत ब्लॉक में छत्तीसगढ़ के प्रथम पंच संघ अध्यक्ष बने - प्रेम सागर तिवारी

कोरिया - जले के सोनहत में गत १४ मई को सामुदायिक भवन सोनहत में सभी ४२ ग्राम पंचायतों के पंचो का बैठक आहूत किया गया बैठक में विभिन्न पंचायत के पंचो ने अपने अपने विचार रखे संगठन की मजबूती के सभी ने सुझाव दिया पंचो के अधिकार एवं उनके कर्तब्यों निर्वहन करने पर उपस्थित पंचो चर्चा किए पहली बार संघ का गठन होने पर खुसी जाहिर किए तत्पश्चात सर्व सम्मति से ग्राम पंचायत केशगवा वार्ड नं. ०९ के पंच प्रेम सागर तिवारी ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किए.

ब्लॉक अध्यक्ष प्रेम सागर तिवारी ने उपस्थित सभी पंचो का आभार व्यक्त किया तथा ह्रदय से धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि मुझे संघ के अध्यक्ष की जिम्मेदारी दिया गया है उसे मैं पूरी ईमानदारी व निष्ठा से निभाते हुए पूरे संघ को मजबूत बनाया जाएगा।

केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी के निखिल कुमार मेहता ने मारी बाजी, 97.2% के साथ कॉमर्स में पहला स्थान प्राप्त किया

चिरमिरी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मंगलवार को १०वीं और १२वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए। केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी के छात्र-छात्राओं ने कड़ी मेहनत और लगन से बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है।

कक्षा १०वीं और १२वीं दोनों वर्गों में छात्रों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। कक्षा १२वीं का कुल परीक्षा परिणाम ९८.२८त्न रहा, वहीं कक्षा १०वीं का परीक्षा परिणाम ९८.३% रहा।

उक्त जानकारी देते हुए कार्यालय स्टाफ जितेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि कक्षा १२वीं (कॉमर्स संकाय) में निखिल कुमार मेहता ने ९७.२त्न अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, द्वितीय स्थान पर अनुज अग्रवाल रहे, जिन्होंने ९२% अंक प्राप्त किए। तीसरे स्थान पर निकिता सिंह ने ८९.२% अंक हासिल किया। कक्षा १२वीं (विज्ञान संकाय) में रेणुका के. नायर ने ९१त्न अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, द्वितीय स्थान पर रिदा अंसारी रहीं, जिन्होंने ८२.४% अंक प्राप्त किए। तीसरे स्थान पर श्रीष्टि यादव ने ७८.४% अंक हासिल किया। कक्षा १०वीं में स्निग्धा दाना ने ९५.८% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, द्वितीय स्थान पर यश कुमार प्रजापति रहे, जिन्होंने ९४.२% अंक प्राप्त किए। तीसरे स्थान पर आकृत बेहरा ने ९०.८% अंक हासिल किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री पॉल उदय अरोंग ने सभी विद्यार्थियों को इस उत्कृष्ट सफलता पर बधाई दी। उन्होंने इसे छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम बताया। साथ ही विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जिले में ग्रीष्मावकाश के दौरान समर कैम्प का आयोजन, बच्चों में रचनात्मकता का हो रहा विकास

कोरिया बैकुंठपुर - स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ एवं लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर के निदेशानुसार, कोरिया जिले के बैकुंठपुर और सोनहत विकासखंडों के शासकीय विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैम्प प्रतिदिन प्रातः ७:३० बजे से ९:३० बजे तक संचालित हो रहे हैं।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. अशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में आयोजित इस समर कैम्प का उद्देश्य विद्यार्थियों को अवकाश के दौरान भी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़े रखना है। साथ ही, छात्रों में रचनात्मकता, अभिव्यक्ति, पारंपरिक खेलों के प्रति रुचि एवं सामाजिक सहभागिता की भावना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। कक्षा २ से १२ तक के विद्यार्थियों के लिए श्आमाराइटश योजना अंतर्गत गतिविधियाँ निर्धारित की गई हैं। इनमें गीत-संगीत, कला, नृत्य, अभिनय, मिट्टी कला, मुखौटा निर्माण, रंगोली, मेंहदी, आर्ट एंड क्राफ्ट, साथ ही कैरम, लूडो, सांप-सीढ़ी जैसे पारंपरिक खेल शामिल हैं। बच्चों द्वारा सीखी गई कलाओं को वे अपने माता-पिता के साथ साझा कर रहे हैं, जिससे परिवार भी इस अभियान से जुड़ रहा है। समर कैम्प में विद्यार्थियों को अपने गांव-शहर के ऐतिहासिक तथ्यों से अवगत कराया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग कर बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा की भी प्रारंभिक जानकारी दी जा रही है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को टीवी और मोबाइल जैसे डिजिटल माध्यमों की लत से दूर कर खुले मैदानों में खेलना सिखाना, उनकी मानसिक एवं शारीरिक क्षमताओं को बढ़ावा देना और पारंपरिक रीति-रिवाजों से जोड़ना है। जिला शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र कुमार गुप्ता ने बताया कि सभी संकुल समन्वयकों एवं संस्था प्रमुखों को समर कैम्प के सफल आयोजन हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही, समर कैम्प की नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था भी की गई है, जिससे इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री और स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल की कोशिशें हो रही है सफल

मनेंद्रगढ़ के लोगों की बड़ी मांग पूरी होने की कगार पर, मनेंद्रगढ़ में रेल परियोजना को गति, भू-अर्जन के लिए सर्वे सूची जारी, 30 दिनों में दर्ज कराएं दावा-आपत्ति

कोरिया बैकुंठपुर। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में यात्री सुविधाओं के विस्तार और रेल परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल की कोशिशें रंग ला रही हैं। उनके अथक प्रयासों से रेल मंत्रालय ने चिरमिरी-नागपुर रोड हाल्ट रेलवे प्रोजेक्ट के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में रेल मंत्रालय ने रेल अधिनियम १९८९ की धारा २०(ए) के तहत एक अधिसूचना जारी की है।

इस प्रोजेक्ट को लेकर स्थानीय विधायक साल २०१७ से है प्रयासरत है। इसके बाद साल २०१८ में रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के मध्य पचास पचास प्रतिशत राशि से निर्माण कार्य के लिए एमओयू हुआ था। किन्तु सत्ता परिवर्तन के बाद तत्कालीन सरकार ने ये कह कर प्रोजेक्ट को रोक दिया कि इसकी स्थानीय स्तर पर कोई उपयोगिता नहीं है। हालांकि सत्ता परिवर्तन के बाद स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय से पहले बजट में है इस प्रोजेक्ट के लिए राशि की मांग रखी जिसे पहले बजट में है वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा स्वीकृत कर राशि जारी कर दी गई।

इसके पश्चात शुरू हुई अन्य प्रक्रियाओं के तहत भू अर्जन हेतु सर्वे प्रक्रिया पूर्ण कर रेल मंत्रालय के द्वारा राजपत्र में भू अर्जन के लिए अधिसूचना का प्रकाशन किया गया है। इस अधिसूचना के तहत भू-अर्जन के लिए सर्वे सूची जारी की गई है, जिसमें चिराईपानी, सरोला, बंजी, खैरबना, सरभोका और चित्ताझोर गांवों के भूखंडों के खसरा नंबर और अन्य विवरण शामिल हैं। सर्वे सूची में उल्लिखित भूखंडों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति या दावा है, तो वे ३० दिनों के भीतर अपर कलेक्टर या सक्षम प्राधिकारी के समक्ष लिखित रूप में अपनी अपील दर्ज करा सकते हैं।

यह कदम न केवल स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास को भी गति देगा। मंत्री जायसवाल के प्रयासों से एमसीबी जिला विकास की नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर है। इस रेल प्रोजेक्ट के शुरू हो जाने से चिरमिरी को राज्य और राष्ट्र स्तर पर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी और इसके साथ ही यहां के लोगों को शिक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य जैसे अनेक सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा।

वर्षा ऋतु के पहले नालों व नालियों की सफाई तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरी व्यवस्थाओं के दिए निर्देश

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने वर्षा ऋतु के पहले नालों और नालियों की सफाई तथा संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरी व्यवस्थाओं के निर्देश दिए हैं। विभाग ने राज्य के सभी नगरीय निकायों को परिपत्र जारी कर नालों एवं नालियों पर कच्चे व पक्के अतिक्रमणों तथा अवरोधों को हटाने को कहा है। पेड़ों में लगे बोड्र्स, साइन-बोड्र्स, साइनेजेस, विज्ञापनों, बिजली के तारों तथा हाइटेंशन लाइन्स को भी हटाने के निर्देश विभाग ने दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को भेजे परिपत्र में कहा है कि वर्षा ऋतु में प्रायः यह देखने में आता है कि शहरों में बारिश के पानी के निकासी के लिए निर्मित नालियों की समय पूर्व समुचित सफाई न होने तथा पानी निकासी के रास्तों के अवरोधों को दूर नहीं करने के कारण आकस्मिक वर्षा से बाढ़ की स्थिति निर्मित हो जाती है। इस स्थिति से बचाव के लिए बरसात के पहले सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर लें। विभाग ने संचालनालय से निकायों को जारी परिपत्र में नगर के मुख्य मार्गों के साथ-साथ गलियों व चौराहों की साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। नगर के सभी नालों व नालियों की पूर्ण एवं नियमित साफ-सफाई अंतिम छोर तक गहराई से किए जाएं। इस कार्य से किसी भी प्रकार से नदी या जल प्रदूषित न हों, इसका पूरा ध्यान रखा जाए। विभाग ने निमार्णाधीन नालों एवं नालियों में पानी बहाव के रास्ते से निर्माण सामग्रियों को हटाने को कहा है, जिससे पानी के बहाव में निरंतरता बनी रहे। नालों व नालियों में निर्मित कच्चे-पक्के अतिक्रमणों और अवरोधों को भी हटाने के निर्देश दिए गए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी निकायों को बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर आवश्यक अमले, टूल, मशीन आदि के साथ ही नोडल अधिकारी की भी नियुक्ति करने को कहा है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की 24 घंटे वर्किंग सुनिश्चित करते हुए इसके फोन नम्बर आदि का व्यापक प्रचार-प्रसार करने भी कहा है। निचली बस्तियों एवं संभावित बाढग्रस्त क्षेत्रों के चिन्हांकन के साथ ही वहां प्रभावितों का अनुमान लगाकर प्रभावितों के लिए अस्थाई रूप से सुरक्षित स्थल भी चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन, कार्रवाई की मांग

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। तहसीलदार एवं उप पंजीयक मनेंद्रगढ़ के पद पर पदस्थ यादवेंद्र कैवर्त के द्वारा अपने दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरते जाने के कारण एमसीबी कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के द्वारा 13 मई को आदेश जारी कर मनेंद्रगढ़ तहसीलदार के पद से हटाकर अधीक्षक भू-अभिलेख शाखा कार्यालय कलेक्ट्रेट में पदस्थ किया गया है। आदेश तत्काल प्रभावशील होगा ऐसा भी उल्लेख किया गया है, लेकिन कलेक्टर के आदेश को न मानते हुए अवैधानिक रूप से आदेश के दूसरे दिन 14 मई को उप पंजीयक कैवर्त द्वारा उप पंजीयक कार्यालय में बैठकर बिक्रीनामा का पंजीयन किए जाने की लिखित शिकायत मनेंद्रगढ़ निवासी रघुनाथ पोद्दार के द्वारा कलेक्टर से की गई है। 14 मई को कलेक्टर को लिखित शिकायत में रघुनाथ पोद्दार ने कहा कि एमसीबी कलेक्टर द्वारा 13 मई को आदेश जारी कर तहसीलदार मनेंद्रगढ़ को उप पंजीयक मनेंद्रगढ़ के पद से पद मुक्त करते हुए यादवेंद्र कैवर्त की पदस्थापना अधीक्षक भू-अभिलेख कलेक्टर कार्यालय मनेंद्रगढ़ में करने का आदेश जारी किया गया है एवं यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा ऐसा भी उल्लेख किया गया है, लेकिन यादवेंद्र कैवर्त कलेक्टर के आदेश को न मानते हुए वर्तमान में भी उप पंजीयक कार्यालय में बैठकर बिक्रीनामा का पंजीयन कर रहे हैं जो अवैधानिक है एवं कलेक्टर न्यायालय के आदेश का उल्लंघन भी है। शिकायतकर्ता ने कार्रवाई एवं बिक्रीनामा पंजीयन पर रोक लगाए जाने की मांग की है।

पानी बचाओ, फसल बढ़ाओ- समाधान शिविर में कलेक्टर की प्रेरक अपील

कलेक्टर ने कहा ज्पानी के बिना जीवन अधूरा, तेल के बिना सब्जी अधूरी

कोरिया बैकुंठपुर - जिले में आयोजित सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने की।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने सभी अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सुशासन तिहार व जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर व्यक्तिगत रुचि लेकर तत्परता से कार्य करें। कलेक्टर ने बैठक में विभागीय अधिकारियों से कहा कि प्राप्त आवेदनों के शीघ्र समाधान और पारदर्शिता से जनता को समाधान शिविरों में जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान मांग और शिकायतों से जुड़े आवेदनों पर कार्रवाई की गई है, लेकिन अब यह आवश्यक है कि समाधान शिविरों में आम जनता के समक्ष इन कार्यवाहियों की जानकारी भी पूरी पारदर्शिता के साथ दी जाए। उन्होंने सभी विभागों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी शिविर स्थलों पर आमजन को देने को कहा, ताकि पात्र हितग्राही इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

बैठक में बैकुण्ठपुर व सोनहत के एसडीएम और संबंधित तहसीलों के तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि वे राजस्व पखवाड़ा और सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करें तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने पटवारी, ग्राम विस्तार अधिकारी, पंचायत सचिव, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं पर्यवेक्षकों की कार्यालय में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। स्वास्थ्य, कृषि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ऊर्जा, स्कूल शिक्षा, खाद्य विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को आयुष्मान कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पेयजल व्यवस्था, विधुत कनेक्शन, विद्यार्थियों को आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र व राशन कार्ड आदि से संबंधित आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा गया।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला वनमण्डलाधिकारी चंद्रशेखर शंकर सिंह परदेशी, अपर कलेक्टर अरुण मरकाम, डी.डी. मंडावी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सुशासन तिहार में ग्रामीणों को मिला कई योजनाओं का लाभ

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के खड़गवां विकासखंड अंतर्गत ग्राम रतनपुर में सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के तीसरे चरण में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर में खडगवां, पोड़ीडीह, कोड़ागी, पेन्ड्री, बोड़ेमुड़ा, धनपुर, कोटेया एवं रतनपुर ग्राम पंचायत के ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया गया। शिविर के माध्यम से उपस्थित लोगों को विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई साथ ही यह भी बताया गया कि किन विभागों ने अब तक कितने आवेदनों का निराकरण किया है, कितने आवेदन प्रक्रियाधीन है तथा कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शिविर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के तहत ग्राम जल जागरूकता अभियान पर विशेष चर्चा आयोजित की गई। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व और घरेलू जल आपूर्ति से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण घर तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। साथ ही लोगों को जल स्रोतों के संरक्षण और जल उपयोग में सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से पानी बचाओ की शपथ ली और अपने गांव में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया जिसमें जनपद पंचायत द्वारा सुरजकुंवर, राजकुमारी सिंह, होशियारो, राम कुमार, मान कुंवर, संगीता कुमारी, निराजो एवं हीरालाल को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा तुलसी, चंद्रप्रताप, बद्रीप्रसाद, फुलकुंवर एवं शिवनारायण को आयुष्मान भारत कार्ड प्रदान किए गए, जिससे अब ये लाभार्थी निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राजकुमारी, श्रीदेवी, धुरमतिया, शुएमा, तारा और कुन्ती को गोद भराई का लाभ दिया गया। साथ ही विभाग द्वारा हिमांशु, अर्चना, अंशिका, रामबली एवं आशा को सुपोषण टोकरी वितरित की गई। इस अवसर पर 6 माह के सुशांत का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न किया गया। शिविर के दौरान शिक्षा विभाग द्वारा विकासखंड खड़गवां के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इन विद्यार्थियों ने न केवल अपने विद्यालय का बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शिविर के दौरान आज ग्रामीणों से कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 40 आवेदन विभिन्न मांगों से संबंधित थे, जबकि 2 आवेदन शिकायतों के रूप में सामने आए। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों को आश्वस्त किया गया कि सभी आवेदनों का शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शिता के साथ पहुंच सके। उल्लेखनीय है कि पूर्व में रतनपुर क्लस्टर में 897 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 743 का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष 154 आवेदन लंबित हैं जिन पर कार्यवाही जारी है।

Sports Live

अप्रैल में थोक महंगाई घटकर 0.85 फीसदी पर आई, खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से घटी महंगाई

नई दिल्ली,14 मई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मंहगाई मार्च में 2.05 फीसदी से अप्रैल 2025 में 0.85 फीसदी तक गिर गई. मंहगाई में गिरावट मुख्य रूप से ईंधन एवं बिजली तथा प्राथमिक वस्तुओं के खंडों में कीमतों में गिरावट के कारण हुई. हालांकि विनिर्माण क्षेत्र ने लचीलापन दिखाना जारी रखा. ऐसा मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, केमिकल्स और केमिकल्स प्रोडक्ट, अन्य परिवहन उपकरणों के निर्माण और मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुआ है. यह मार्च में डब्ल्यूपीआई दर से कम है, जो 2.05 फीसदी थी.

वर्कलोड की चिंता छोड़ो जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाओः सुनील गावस्कर

नईदिल्ली, 14 मई। जबसे टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा में रिटायरमेंट का ऐलान किया है तब से क्रिकेट फैंस के मन में ये सवाल खड़ा हो रहा है कि भारतीय टीम का अगला टेस्ट कप्तान कौन होगा. कई रिपोट्र्स में दावा किया गया कि शुभमन गिल को अगला टेस्ट कप्तान नियुक्त कर दिया गया है बस इसका आधिकारिक ऐलान करना बाकी है. बीसीसीआई की चयन बैठक जल्द ही होने की उम्मीद है, जिसमें भारतीय कप्तान के साथ साथ टेस्ट स्क्वाड का भी ऐलान कर दिया जाएगा.

इस बीच ये भी रिपोट्र्स आई कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कार्यभार प्रबंधन के कारण सभी पांच टेस्ट में खेलने में कठिनाई का हवाला देते हुए खुद को टेस्ट की कप्तानी की रेस से बाहर कर लिया है. चयनकर्ता अब कथित तौर पर शुभमन गिल और ऋषभ पंत को इस पद के लिए प्राथमिक उम्मीदवार के रूप में देख रहे हैं.

इस रिपोर्ट के बावजूद भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह को भारत का अगला टेस्ट कप्तान बनाने का समर्थन किया है. उनका मानना है कि एक तेज गेंदबाज के रूप में, बुमराह अपने कार्यभार को प्रबंधित करने और अपनी शारीरिक मांगों के अनुरूप मैदान पर निर्णय लेने के लिए सबसे उपयुक्त हैं.

रिपोर्ट के हवाले से गावस्कर ने कहा, अपने काम का बोझ खुद से बेहतर कौन जान सकता है? अगर आप किसी और को कप्तान नियुक्त करते हैं, तो वे हमेशा बुमराह से एक अतिरिक्त ओवर चाहेंगे. अगर वह आपका नंबर 1 गेंदबाज है, तो वह खुद ही जानता होगा कि हां, यह वह समय है जब मुझे ब्रेक लेना चाहिए. मेरे हिसाब से, यह सिर्फ जसप्रीत बुमराह ही हो सकता है. मैं उनके कार्यभार और इस तरह की सभी अटकलों को जानता हूं. उन्हें यह काम दें ताकि उन्हें पता हो कि कितने ओवर गेंदबाजी करनी है, कब उन्हें आराम देना है, कब आराम करना है. उसके हिसाब से वो खुद को तैयार रखेंगे, यही सबसे से आइडियल भी है.

उन्होंने आगे कहा, उसे (बुमराह को) शायद कोई टेस्ट मैच मिस न करना पड़े. अगर आप उसे टेस्ट मैच देते हैं, तो उसे पता चल सकता है कि कब रुकना है, इससे पहले कि उसका शरीर खराब होने लगे. मेरे हिसाब से, उसे टेस्ट मैच का कप्तान बना देना चाहिए. पहले टेस्ट के बाद, आठ दिन का गैप होता है. ठीक होने के लिए पर्याप्त समय होता है. फिर, दो बैक-टू-बैक टेस्ट मैच होते हैं. कोई बात नहीं, फिर एक और गैप होता है. अगर आप उसे कप्तानी देते हैं, तो वह यह जानने में सबसे अच्छा व्यक्ति होगा कि कब गेंदबाजी करनी है और कब नहीं करनी है.

बता दें कि बुमराह ने पहले लाल गेंद के प्रारूप में भारत का नेतृत्व किया है, अपने हालिया प्रदर्शन और शांत नेतृत्व शैली के कारण शीर्ष दावेदार के रूप में उभरे हैं. उन्होंने ने इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ 2022 बर्मिंघम टेस्ट और फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान भारत की कप्तानी की थी. उनके नेतृत्व में, भारत ने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया पर 295 रनों की शानदार जीत हासिल की, जो ऑस्ट्रेलिया में रनों के लिहाज से उनकी सबसे बड़ी जीत थी, और उन्होंने इस साल की शुरूआत में सिडनी टेस्ट में भी टीम की अगुआई की थी, जब रोहित बाहर बैठे थे.

टेस्ट से संन्यास की खबरों पर फूटा मोहम्मद शमी का गुस्सा, अफवाह फैलाने वालों को जमकर लताड़ा

नई दिल्ली, 14 मई। भारत के दाएं हाथ के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट में अपने भविष्य के बारे में अटकलें लगाने वाले एक ऑनलाइन न्यूज पोर्टल की जमकर निंदा की है. शमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए एक न्यूज रिपोर्ट की खूब निंदा की है और साफ शब्दों में कहा है कि वह खेल के सबसे लंबे फॉर्मेट में बने रहेंगे और जल्द ही कहीं नहीं जा रहे हैं.

34 वर्षीय तेज गेंदबाज, जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं ने उस रिपोर्ट पर निशाना साधा है, जिसमें संकेत दिया गया था कि शमी संभवतः दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अपने टेस्ट करियर को अलविदा कह सकते हैं.

मोहम्मद शमी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक न्यूज रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया है, जिसकी हेडलाइन थी, मोहम्मद शमी रिटायरमेंटः रोहित शर्मा, विराट कोहली के बाद, भारतीय तेज गेंदबाज टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं. इसके जवाब में शमी ने नीचे शमी लिखा, बहुत बढि ?া किया, महाराज. अपनी जॉब के दिन भी गिन लो कितने दिन बचे हैं. बाद में देख लें हमारा. आप जैसे ने सत्यनाश कर दिया फ्यूचर का. कभी तो अच्छा बोल लिया करें. आज की सबसे खराब स्टोरी सॉरी. अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अब तक 64 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है. इस दौरान उन्होंने 27.71 की औसत से 229 विकेट लिए हैं. उनका आखिरी टेस्ट जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल था. बता दें कि, वनडे वर्ल्ड कप 2023 में चोटिल होने के बाद यह तेज गेंदबाज लंबे समय के लिए टीम से बाहर हो गया था. लेकिन, इस साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20आई सीरीज के जरिए शमी ने भारतीय टीम में वापसी की. वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे.

इंग्लैंड के खिलाफ आगामी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगले हफ्ते होने की उम्मीद है. तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के टीम में चुने जाने की पूरी संभावना है, लेकिन, आईपीएल 2025 में शमी का हालिया प्रदर्शन खराब रहा है. ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा है कि इंग्लैंड दौरे के लिए शमी को मौका मिलता है या नहीं.

)ईवी फर्म बैटरी स्मार्ट का शुद्ध घाटा वित्त वर्ष 2024 में दोगुना होकर 140 करोड़ रुपए हुआ, खर्च में भी उछाल

नई दिल्ली । गुरुग्राम बेस्ड ईवी स्टार्टअप बैटरी स्मार्ट का वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध घाटा 140 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष में दर्ज 61 करोड़ रुपए के घाटे से दोगुना से भी अधिक है।

परिचालन राजस्व में तीन गुना वृद्धि के बावजूद, बढ़ती लागत ने कंपनी के मुनाफे पर भारी असर डाला।

बैटरी स्मार्ट का परिचालन राजस्व वित्त वर्ष 2024 में 193 प्रतिशत बढ़कर 164 करोड़ रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2023 में 56 करोड़ रुपए था, जो पूरी तरह से इसके मुख्य व्यवसाय - इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ताओं के लिए बैटरी-एज-ए-सर्विस द्वारा संचालित है।

एनट्रैकर द्वारा रिपोर्ट की गई कंपनी की वित्तीय स्थिति से पता चलता है कि वित्तीय परिसंपत्तियों पर ब्याज से 23 करोड़ रुपए की आय सहित कंपनी की कुल आय वर्ष के लिए 187 करोड़ रुपए रही।

हालांकि, कंपनी का कुल व्यय एक साल पहले के 125 करोड़ रुपए से दोगुना होकर 327 करोड़ रुपए हो गया।

आंकड़ों के अनुसार, इसका एक बड़ा हिस्सा मूल्यह्रास शुल्क में लगभग 3.8 गुना वृद्धि से 85 करोड़ रुपए और वित्त लागत में 3.75 गुना वृद्धि से 45 करोड़ रुपए तक आया।

एम्प्लॉई बेनिफिट एक्सपेंस भी तेजी से बढ़कर 41 करोड़ रुपए हो गया, जबकि विज्ञापन व्यय 60 प्रतिशत घटकर 8 करोड़ रुपए रह गया।

बैटरी स्मार्ट के बढ़ते घाटे लागत दक्षता में चल रही चुनौतियों को दशार्ते हैं। इसका रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लॉयड (आरओसीई) 18.34 प्रतिशत था, और ईबीआईटीडीए मार्जिन से पहले इसकी आय -5.35 प्रतिशत थी।

ऑपरेटिंग रेवेन्यू के हर 1 रुपए के लिए, कंपनी ने 1.99 रुपए खर्च किए, जो बढ़ती मांग के बावजूद मार्जिन पर दबाव को दिखाता है।

बैटरी स्मार्ट ने मार्च 2024 तक 328 करोड़ रुपए की मौजूदा संपत्ति की रिपोर्ट की, जिसमें 107 करोड़ रुपए नकद और बैंक बैलेंस शामिल हैं, जो कुछ फाइनेंशियल बफर प्रदान करते हैं।

टाइगर ग्लोबल और ब्लूम वेंचर्स जैसे निवेशकों द्वारा समर्थित, बैटरी स्मार्ट ने अब तक लगभग 192 मिलियन डॉलर जुटाए हैं।

छोटी खबरें

विराट कोहली के संन्यास से बीच जसप्रीत बुमराह ने भी किया टेस्ट कप्तान बनने से इनकार

नई दिल्ली । रोहित शर्मा के बाद अब विराट कोहली ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। इससे पहले शनिवार को खबर आई थी कि रोहित शर्मा के बाद विराट ने भी टेस्ट से संन्यास का मन बना लिया है और इस बारे में बीसीसीआई को सूचित कर दिया है।

हालांकि, तब बीसीसीआई ने विराट से दोबारा विचार करने का अनुरोध किया था। अब सोमवार को खबर आई कि विराट ने संन्यास ले लिया है। इस तरह, भारतीय क्रिकेट टीम का अगला बड़ा दौरा इंग्लैंड का है, जहां २० जून से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाना है। इससे पहले सबसे बड़ा सवाल यह है कि कप्तान कौन बनेगा?

माना जा रहा था कि जसप्रीत बुमराह को कप्तानी सौंपी जाएगी, लेकिन ताजा खबर यह है कि बुमराह ने भी जिम्मेदारियों के बोझ का हवाला देते हुए कप्तानी करने से इनकार कर दिया है।

सबसे बड़ा सवालज् कौन बनेगा टेस्ट टीम का कप्तान

बुमराह के इनकार करने के बाद शुभमन गिल को टेस्ट कप्तानी का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। इससे पहले भी वे रोहित शर्मा के डिप्टी के रूप में काम कर चुके हैं।

गिल के साथ ही एक और नाम लिया जा रहा है और वो हैं ऋषभ पंत । रिपोट्र्स के अनुसार, चयनकताओं के सामने गिल और पंत के रूप में दो नाम हैं।

गिल को रोहित के उत्तराधिकारी के रूप में माना जा रहा है, लेकिन पंत का नाम चौंकाने वाला है। कुछ लोग लाल गेंद के सामने उनकी प्रतिभा पर सवाल उठा सकते हैं।

पंत ने विदेशी धरती पर भारत को कुछ सबसे खास टेस्ट जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। फिर भी उनके हालिया खराब प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

२६ वर्षीय पंत ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान खराब प्रदर्शन किया था, जहां उनके लापरवाही पूर्ण शॉट सिलेक्शन को प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों, दोनों ने कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा।

शेयर बाजार ग्रीन जोन में खुला, सेंसेक्स 130 अंक उछला, निफ्टी 24,613 पर

मुंबई, 14 मई। कारोबारी सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार हरे निशान पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 130 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 81,278.49 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.14 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 24,613.80 पर खुला. आज के कारोबार के दौरान ऑरियनप्रो सॉल्यूशंस, वीएसटी टिलर्स ट्रैक्टर्स, वीआईपी इंडस्ट्रीज, हनीवेल ऑटोमेशन, ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्यूटिकल्स, मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर, आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया, मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, एएसके ऑटोमोटिव, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज और भारती हेक्साकॉम के शेयर फोकस में रहेंगे. कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ रेड जोन में बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 1281 अंकों की गिरावट के साथ 81,148.22 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 1.39 फीसदी की गिरावट के साथ 24,578.35 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान निफ्टी पर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, जियो फाइनेंशियल, हीरो मोटोकॉर्प, डॉ रेड्डीज लैब्स और सिप्ला के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि पावर ग्रिड कॉर्प, इंफोसिस, इटरनल, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे. बीएसई मिडकैप सूचकांक स्थिर रहा, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में 0.9 फीसदी की बढ़ोतीर हुई. सेक्टरों में मीडिया, पीएसयू बैंक, फार्मा इंडेक्स में 1-1 फीसदी की तेजी आई. जबकि आईटी, एफएमसीजी, रियल्टी इंडेक्स में 1-2 फीसदी की गिरावट आई.

---------------------------- फिल्म ----------------------------

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान कहते है, जीने के लिए दोस्त, जरूरी है फैंटेसी

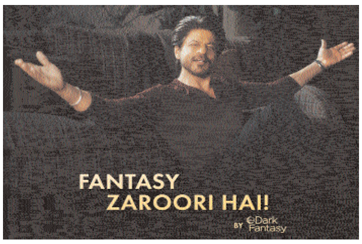

एक दिल को छू लेने वाली और सोचने पर मजबूर कर देने वाली कविता, जिसे शाहरुख खान ने अपनी आवाज दी है और प्रसिद्ध गीतकार स्वानंद किरकिरे ने इसे लिखा है।

नेशनल,: सनफीस्ट डार्क फैंटेसी ने अपनी नई ब्रांड पहल च्फैंटेसी जरूरी हैज् की शुरूआत की है। इस अभियान के केंद्र में एक प्रेरणादायक हिंदी कविता है, जिसे एक फिल्म के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह कविता फैंटेसी के कई पहलुओं को खूबसूरती से दशार्ती है, फैंटेसी क्या होती है, यह कहाँ बसती है, कैसे सामने आती है और हमारी जिंदगी में इसकी क्या अहमियत है।

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित गीतकार और पार्श्वगायक स्वानंद किरकिरे द्वारा लिखी गई और बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान द्वारा सुनाई गई यह कविता श्रोताओं को रोजमर्रा की जिंदगी की एकरसता से निकालकर कल्पना की असीम दुनिया में ले जाती है, एक ऐसी यात्रा जो मन को रोमांचित भी करती है और सोचने पर मजबूर भी।

अपने ब्रांड संदेश "हर दिल की फैंटेसी" के अनुरूप, सनफीस्ट डार्क फैंटेसी उन अनगिनत तरीकों का जश्न मनाता है, जिनके माध्यम से लोग कल्पना करते हैं, अपनी दुनिया से बाहर निकलते हैं और खुद को व्यक्त करते हैं, चाहे वह छोटे पलों में हो या बड़े मौकों पर। ट्रैफिक जाम से लेकर अंतरिक्ष की लड़ाइयों तक, ऑफिस की एकरसता से लेकर परीकथाओं जैसे बदलावों तक, यह फिल्म फैंटेसी के अनेक रूपों को दशार्ती है, जो व्यक्तिगत होते हुए भी सभी के दिल से जुड़ते हैं। चाहे कोई बादलों में महलों की रचना कर रहा हो या कॉफी ब्रेक के बीच किसी और दुनिया में खो रहा हो, यह फैंटेसी कविता हमें खूबसूरती से याद दिलाती है कि फैंटेसी हमारे भीतर ही कहीं चुपचाप मौजूद रहती है, बस जागने का इंतजार करती है।

आईटीसी लिमिटेड के बिस्किट्स और केक क्लस्टर, फूड्स डिवीजन के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अली हैरिस शेर ने कहा, "फैंटेसी गहरे तौर पर व्यक्तिगत होती है, फिर भी यह सार्वभौमिक रूप से प्रासंगिक है। 'फैंटेसी जरूरी है' के साथ, हम डार्क फैंटेसी में लोगों को उनके रोजमर्रा के जीवन से बाहर निकलने और उनकी जिंदगी में फैंटेसी के रूप में एक परिवर्तनकारी अनुभव को फिर से महसूस करने का निमंत्रण दे रहे हैं। आज की इस हमेशा जुड़ी हुई दुनिया में, फैंटेसी के पल हमारी आत्मा को ताजगी देने और हमारी इंद्रियों को फिर से जागृत करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह पहल, जो खुद फैंटेसी के बादशाह शाहरुख खान के नेतृत्व में है, उस साझा मानवता की भावना को ट्रिब्यूट है।"

शेयर मार्किट में पैसे लगाने वाले निवेशक कुछ इस तरह बने करोड़पति! जब हकीकत पता लगी तो हो गया नुकसान

नई दिल्ली । ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म 'ग्रोइ ने सोमवार को जानकारी दी कि ऐप के कुछ यूजर्स को स्टॉक की कीमतों में विसंगतियों का सामना करना पड़ा। यह एक अस्थायी समस्या थी और बाद में इसे ठीक कर दिया गया।

इससे पहले तकनीकी गड़बड़ी के कारण ग्रो यूजर्स के निवेश मूल्यों को लेकर गलत जानकारी देखी गई। कुछ यूजर्स ने बताया कि उनके 1,000 रुपए के निवेश को ऐप पर गलत तरीके से 1,00,000 रुपए के निवेश के रूप में देखा जा रहा था। इससे कुछ यूजर्स को भ्रम की स्थिति का सामना करना पड़ा। तकनीकी गड़बड़ी के कारण कुछ यूजर्स के मुनाफे में 10,000 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई, जिससे कुछ अस्थायी रूप से करोड़पति बन गए, जबकि कुछ का निवेश मूल्य असल से बेहद कम हो गया। 'ग्रोइ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, हमारे कुछ यूजर्स को उनके स्टॉक प्राइस को लेकर विसंगतियों का सामना करना पड़ा। यह एक अस्थायी समस्या थी और अब इसका समाधान हो गया है।

'ग्रोइ की ओर से आगे कहा गया कि जिन यूजर्स के जीटीटी (गुड टिल ट्रिगर) इस वजह से ट्रिगर हुए हैं, उनसे ग्रो सहायता टीम संपर्क कर रही है और समाधान की पेशकश कर रही है। ऑनलाइन ट्रेडिंग पोर्टल ने कहा, अगर आपको भी इस समस्या का सामना करना पड़ा है, तो हमें डायरेक्ट मैसेज करें। यह समस्या तब सामने आई जब कई यूजर्स ने विसंगतियों की रिपोर्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। यूजर्स ने पोस्ट किया, मेरे खाते पर मेरे कुछ जीटीटी ऑर्डर आपके 'ग्रोइ मूल्य विसंगति या 'ग्रोइ मूल्य निर्धारण के साथ समस्याओं के कारण बेचे गए थे। मेरे पास आपके पिछले और वर्तमान मूल्य निर्धारण की स्थिति का स्क्रीनशॉट है। कृपया उचित कार्रवाई करें और मामले को हल करें। दूसरे यूजर ने पोस्ट किया, अगर हमारे नुकसान की भरपाई नहीं की गई तो हम ग्रो को छोड़ देंगे और दूसरे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर चले जाएंगे।

वजन कम करना चाहते हैं तो स्नैकिंग के हेल्दी विकल्पों को अपनाएंः डॉ रोहिणी पाटिल

रायपुर, खाने के बीच भूख लगना उन लोगों के लिए परेशानी हो सकता है जो वजन कम करना चाहते हैं। इस भूख के दौरान हमें अक्सर ऐसी चीजें खाने का मन करता है जो सेहत के लिए अच्छी नहीं होतीं, जिससे वजन कम करने का लक्ष्य बिगड़ सकता है। लेकिन सही तरीके से नाश्ता करने से वजन कम करने में मदद मिल सकती है। डॉ. रोहिणी पाटिल (एमबीबीएस और न्यूट्रिशनिस्ट) कहती हैं कि बादाम, फल और सब्जियां जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ सही मात्रा में खाने चाहिए। स्नैकिंग के ये बादाम सहित स्मार्ट विकल्प न केवल भूख को शांत करते हैं, बल्कि जरूरी पोषक तत्व भी देते हैं जो आपको एनर्जी से भरपूर रखती हैं और आपको संतुष्टि भी मिलती है।

यहां कुछ सेहतमंद नाश्ते के विकल्प दिए गए हैं जो आपको तृप्त रखेंगे और वजन कम करने की राह पर मदद करेंगे। मुट्ठी भर बादाम में प्रोटीन, मैग्नीशियम, विटामिन ई और जिंक जैसे १५ जरूरी पोषक तत्व होते हैं। इनका कुरकुरा स्वाद भूख को शांत करता है। बादाम दिल, त्वचा के लिए अच्छे हैं, और इन्हें खाकर संतुष्टि का अहसास होता है। ये वजन नियंत्रण में मदद करते हैं। डॉ. पाटिल ने खासतौर पर कैलिफोर्निया आमंड्स की सलाह दी है, जिनमें प्रोटीन, गुड फैट और फाइबर होते हैं, जो लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं। इन्हें अकेले खाएं, स्मूदी में डालें, सलाद में मिलाएं या मसाले के साथ भूनें।

भाजपा का पार्षद गजानंद ऐप के नाम से सट्टा खिलाते गिरफ्तार

रायपुर। तिल्दा से गजानंद ऐप के नाम से सट्टा संचालित कर रहे पिता - पुत्र को तिल्दा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में नंदलाल लालवानी और बब्बन लालवानी बताया गया है जिनमें बब्बन लालवानी तिल्दा के वार्ड नंबर 03 से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़कर पार्षद बना है।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले के खिलाफ एफआईआर कराने थाने पहुंचे कांग्रेसी

रायपुर। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के नेतृत्व में कांग्रेसी आज सिविल लाईन थाना में बीजेपी मंत्री विजय शाह पर एफआईआर दर्ज कराने पहुँचे। उपाध्याय ने बताया कि बीजेपी मंत्री विजय शाह ने देश की बेटी, बहन कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है।

उपाध्याय ने कहा कि इस मंत्री का विवादास्पद बयान पहली बार का नहीं है ऐसे कई बयान हैं जिनमें मंत्री विजय शाह विवादों से घिरे रहते हैं, उन्होंने बताया कि मंत्री विजय शाह बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन के ऊपर भी कुछ इसी तरह की टिप्पणी करके बच निकले थे. उपाध्याय ने मंत्री विजय शाह के ऊपर एफआईआर दर्ज करने की मांग की, जिसमें उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार में भाजपा के मंत्री विजय शाह ने हाल ही में एक मंच से अपने बयान में भारत की बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बेटी बताकर जो आपत्तिजनक टिप्पणी की है जो कि विभिन्न अखबारों एवं समाचारों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है उनकी यह टिप्पणी देश की जांबाज बेटी के लिए अतिअशोभनीय है। जिसकी कांग्रेस पार्टी घोर निंदा करती है और दोषी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है साथ ही बीजेपी मंत्री विजय शाह पर सख्त से सख्त कार्यवाही करते हुए एफआईआर दर्ज करने की भी मांग की गई।

विकास उपाध्याय के साथ युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा, कमलाकांत शुक्ला, दिनेश ठाकुर, सुरेश उपाध्याय, हनी बग्गा, बाकर अब्बास, पूजा देवांगन, अशोक ठाकुर, नवीन चन्द्राकर, शिव श्याम शुक्ला, दिनेश तिवारी, वेद प्रकाश कुशवाहा, किशनपुरी गोस्वामी, हर्षित जायसवाल, श्रीनाथ भोगल, अजीज भिन्सरा, कमलेश नाथवानी, दिलीप चौहान, तारिख खान, अमित शर्मा लल्लू, राहुल धनगर, संकल्प मिश्रा, भूपेन्द्र साहू, विक्की शर्मा, मोहसिन खान, बंशी कन्नौजे, संदीप सिरमोर, अभिषेक ठाकुर, मेहताब हुसैन सहित सैंकड़ों से भी अधिक संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

पत्नी और दो बच्चों के साथ अजा बालक छात्रावास बागबाहरा के चपरासी ने की आत्महत्या

महासमुंद। अनुसूचित जाति बालक छात्रावास बागबाहरा में चपरासी के पद पर कार्यरत बसंत पटेल ने अपनी पत्नी और 11 वर्षीय बच्ची तथा 4 साल के लड़के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर लिया। एक साथ आत्महत्या क्यों किया इसका खुलासा फिलहाल नहीं हो गया,लेकिन घटना के बाद से क्षेत्र में हड़कंच मच गया है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बसंत पटेल (40 वर्ष) अनुसूचित जाति बालक छात्रावास बागबाहरा में चपरासी के पद पर पदस्थ था और उसने बुधवार की सुबह उसने पत्नी भारती, 11 वर्षीय बच्ची तथा 4 साल के लड़कें को जहर खिलाकर मौत की नींद सुलाया गया होगा, इसके बाद खुद फांसी पर लटक कर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया।

राजनीति और रणनीति दोनों में कमजोर है भूपेश, भूपेश बोले पीएम को देश ने चुनकर भेजा है, तो सवाल भी उन्हीं से करेंगे

Post

BJP Chhattisgarh
@BJP4CGState

राजनीति और रणनीति दोनों में कमजोर है राहुल गांधी के चरण चुंबक व पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल।

सेना के शौर्य 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठाने वाले भूपेश जी, यदि महादेव सट्टा के जगह शतरंज खेला होता तो शायद छत्तीसगढ़ के बाद पंजाब नहीं डूबा रहे होते और न ही भारतीय सेना पर सवाल उठा रहे होते।

Translate post

Bhupesh Baghel @bhupeshbaghel · 1h

प्रधानमंत्री हमारे हैं, हमारे देश के हैं, देश ने चुनकर भेजा है, तो हम सवाल भी उन्हीं से करेंगे ना?

देश से, देश की नीतियों और देश के सम्मान से जुड़े सवाल तो उनसे ही पूछे जाएंगे।

प्रधानमंत्री जी से सवाल पूछना देश के खिलाफ़ बोलना कैसे हो गया शिवराज जी?...
Show more

रायपुर। बुधवार को भाजपा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की एक्स पर जमकर बहस हुई। भाजपा ने लिखा कि राजनीति और रणनीति दोनों में भूपेश बघेल कमजोर है तो भूपेश ने पलटवार करते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश ने चुनकर भेजा है, तो हम सवाल भी उन्हीं से करेंगे ना?

भाजपा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश लिखा पर निशाना साधते हुए लिखा कि राजनीति और रणनीति दोनों में कमजोर है राहुल गांधी के चरण चुंबक व पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल। सेना के शौर्य 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठाने वाले भूपेश जी, यदि महादेव सट्टा के जगह शतरंज खेला होता तो शायद छत्तीसगढ़ के बाद पंजाब नहीं डूबा रहे होते और न ही भारतीय सेना पर सवाल उठा रहे होते। इसका जवाब देते हुए भूपेश ने पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री हमारे हैं, हमारे देश के हैं, देश ने चुनकर भेजा है, तो हम सवाल भी उन्हीं से करेंगे ना? देश से, देश की नीतियों और देश के सम्मान से जुड़े सवाल तो उनसे ही पूछे जाएंगे। प्रधानमंत्री जी से सवाल पूछना देश के खिलाफ बोलना कैसे हो गया शिवराज जी? याद रखिए, ऑपरेशन सिंदूर पर कोई सवाल नहीं है। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सरकार को पूरा समर्थन दिया। सेना के पराक्रम, शौर्य और जज्बे को सौ बार सलाम। पर प्रधानमंत्री से तो सवाल पूछेंगे। बार बार पूछेंगे। सौ बार पूछेंगे।

गंगा डायग्नोस्टिक हॉस्पिटल के सामने सड़क में वाहनों का पार्किंग ना हो इसका ध्यान रखें अधिकारी - आयुक्त विश्वदीप

00 सर्वोदय नगर तालाब का में गन्दा पानी जाने से रोकने बाहर नाली बनेगा

रायपुर। नगर निगम के आयुक्त विश्वदीप ने लेफ्टिनेंट अरविन्द दीक्षित वार्ड क्रमांक 56 के क्षेत्र के अंतर्गत सर्वोदय नगर तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान तालाब के भीतर गन्दा पानी जाने से रोकने बाहर नाली बनवाकर उसके माध्यम से वहाँ के रहवासियों के घरों से प्रतिदिन निकलने वाला गन्दा पानी की सुगम निकासी करवाने के निर्देश दिए है। इसके पश्चात तालाब के चारों ओर टोवाल बनाने और तालाब की सफाई करवाने के बाद राज्य शासन द्वारा राज्य प्रवर्तित योजना सरोवर धरोहर के अंतर्गत स्वीकृति अनुसार तालाब के पार में चारों ओर पाथ वे का निर्माण करवाने सहित तालाब सौंदर्यीकरण के कार्य करवाने के निर्देश दिए है।

आयुक्त ने आम्रपाली सोसायटी के पास मार्ग में नाला सफाई का निरीक्षण कर नाला सफाई बारिश के पूर्व व्यवस्थित तरीके से करवाने के निर्देश दिए है। वहीं आयुक्त ने मार्ग में कब्जा जमाकर लगाए जा रहे अवैध ठेलों और गुमटियों को अभियान चलाकर हटाते हुए मार्ग का यातायात सुगम बनाने सहित गंगा डायग्नोस्टिक हॉस्पिटल के सामने सड़क पर वाहन पार्किंग ना होने देकर व्यवस्थित वाहन पार्किंग करवाने हेतु आवश्यक कार्यवाही के निर्देश अधिकारियों को दिए है, ताकि मार्ग में पार्किंग के चलते सड़क यातायात बाधित होने की समस्या दूर की जा सके। इस दौरान निगम जोन 10 जोन अध्यक्ष श्री सचिन बी. मेघानी, जोन कमिश्नर श्री विवेकानंद दुबे, उप अभियंता सुश्री निवृत्ति परमार उपस्थिति थे।

बारिश पूर्व बड़े नालों की जाए सफाई ताकि जलभराव की समस्या ना हो - सभापति राठौर

रायपुर। नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने मौदहापारा में महाबीर गौशाला के सामने नाला, मौदहापारा मस्जिद के समीप नाला, के. के. रोड में मौदहापारा पुलिस थाना के समीप नाला, जयस्तम्भ चैक के समीप का नाला चेम्बर, शहीद स्मारक भवन के पास नाला, रजबंधा मैदान क्षेत्र में नाला सहित जोन क्षेत्र के विभिन्न नालों की सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण जोन 2 जोन कमिश्नर डॉक्टर आर. के. डोंगरे, कार्यपालन अभियंता श्री पी. डी. धृतलहरे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री रवि लवनिया, उप अभियंता तिग्गा की उपस्थिति में किया। सभापति ने बारिश पूर्व नालों में जेसीबी लगवाकर और मेन्युअल सफाई करवाई। जयस्तम्भ चैक के पास नाला चेम्बर की सफाई करवाई। सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़ ने अधिकारियों को बारिश पूर्व सभी बड़े नालों की तले तक पूर्ण सघन सफाई करवाकर गन्दे पानी की निकासी सुगम बनाने निर्देशित किया है, ताकि कहीं भी बारिश में जल के भराव की समस्या ना आये।

न्याय की जीत - राजबती की जमीन उन्हें फिर मिली

बेमेतरा। ग्राम बहेरा की बुजुर्ग महिला राजबती के जीवन में वह दिन किसी चमत्कार से कम नहीं था, जब वर्षों की उम्मीद और संघर्ष के बाद उन्हें अपनी ही जमीन पर कुछ मीटर किए कब्जे का फिर से अधिकार मिला। यह कहानी सिर्फ एक भूमि कब्जे की नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनशीलता, तत्परता और न्याय की मिसाल है।

राजबती, जिनकी कुछ मीटर जमीन पर अतिक्रमण था, कई बार अधिकारियों के चक्कर लगा चुकी थीं। लेकिन इस बार उन्होंने सीधे बेमेतरा कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा से कलेक्ट्रेट में आवेदन दिया। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्क्षण तहसीलदार बेरला को स्थल परीक्षण और कार्यवाही के निर्देश दिए। तहसीलदार श्री आशुतोष गुप्ता ने राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुँचकर न सिर्फ भूमि का पुनः चिन्हांकन किया, बल्कि अनावेदक साधेलाल की उपस्थिति में पारदर्शिता के साथ राजबती को उसकी जमीन का वास्तविक कब्जा दिलवाया। बांस-बल्ली लगाकर स्पष्ट सीमांकन भी कर दिया गया ताकि भविष्य में कोई विवाद न हो।

यह वही भूमि थी, जिसे पूर्व में चिन्हांकित कर कब्जा दिलाया गया था, लेकिन राजबती उम्र और संसाधनों की कमी के कारण उस पर कब्जा नहीं कर सकीं। इस बार प्रशासन की सख्ती और स्थानीय सहयोग से यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हुई। आज राजबती संतुष्ट हैं, उनकी आँखों में आभार है, और दिल में वह विश्वास, जो शायद कहीं खो गया था। यह सिर्फ उनकी जीत नहीं, बल्कि उस सिस्टम की जीत है जो आम जनता की आवाज सुनता है और उसे न्याय दिलाता है।

आरंग में नाली से मिला 4 महीने का भ्रूण

रायपुर। राजधानी रायपुर से लगे आरंग में बुधवार की सुबह वार्ड नंबर 07 स्थित आजाद चौक में एक 4 महीने का भ्रूण नाली में पड़ा मिला। भ्रूण दिखते ही लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद आरंग पुलिस मौके पर पहुंच कर भ्रूण को कब्जे में लिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई।

आज सरदार बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में समाधान शिविर

रायपुर। सुशासन तिहार 2025 के तृतीय चरण के अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा जोनवार सार्वजनिक स्थानों पर समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी अंतर्गत गुरुवार को सरदार बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम बुढ़ापारा में समाधान शिविर का आयोजन किया गया है। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के अध्यक्ष और पण्डित भगवती चरण शुक्ल के पार्षद अमर गिदवानी ने आमजनों से सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत समाधान शिविर में पहुंचकर समाधान प्राप्त करने की अपील की है।

उल्लेखनीय हैं कि जोन 5 के तहत 19 मई को डीडी नगर सामुदायिक भवन सेक्टर -2, जोन 6 के तहत 20 मई को शहीद संजय यादव उच्चतर माध्यमिक शाला संजय नगर टिकरापारा, जोन 7 के तहत 23 मई को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम जीई मार्ग, जोन 8 के तहत 27 मई को सामुदायिक भवन भारत माता स्कूल के सामने टाटीबंध, जोन 9 के तहत 28 मई को इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय कम्युनिटी हाल जोरा रायपुर, जोन 10 के तहत 30 मई को सामुदायिक भवन गुरुद्वारा देवपुरी में सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

झींका में अवैध रेत खनन पर विधायक राठिया का एक्शन, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

भारी वाहनों से गांव की सड़कें और पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों में आक्रोश

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा जिले के ग्राम पंचायत मोहरा के आश्रित ग्राम झींका में रेत माफियाओं के खिलाफ अब जनप्रतिनिधियों ने मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों की शिकायत पर रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया ने १४ मई बुधवार को गांव का दौरा किया, जहां अवैध रेत खनन और भण्डारण का बड़ा मामला सामने आया। गांव पहुंचकर विधायक राठिया ने स्वयं अवैध खनन स्थल का निरीक्षण किया और पाया कि बड़ी मात्रा में रेत का अवैध खनन कर गांव में ही उसका भण्डारण किया गया है। मौके पर कई भारी वाहन रेत परिवहन करते हुए पकड़े गए। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से यह अवैध कारोबार चल रहा है, जिससे ना केवल प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा है, बल्कि गांव की सड़कें और पुल-पुलिया भी बर्बाद हो चुकी हैं।

विधायक ने जताई सख्त नाराजगी- श्री राठिया ने इस मामले को गंभीर मानते हुए विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि झींका जैसे शांतिपूर्ण गांव को माफियाओं के हवाले नहीं छोड़ा जा सकता। प्रशासन को अब चुप्पी तोड़नी होगी और जिम्मेदारों के खिलाफ ठोस कदम उठाने होंगे उन्होंने स्पष्ट किया।

ग्रामीणों ने जताया भरोसा- इस दौरान गांव के अनेक जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे जिनमें सरपंच मीना नामदाऊ बिंझवार, पूर्व सरपंच कीर्तन बिंझवार, उपसरपंच ललिता बाई कंवर, समाज प्रमुख चैतराम कंवर, और अन्य गणमान्य शामिल थे। सभी ने विधायक राठिया के कदम का स्वागत करते हुए रेत माफियाओं के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की मांग की।

जनपद पोंड़ी-उपरोड़ा की सामान्य सभा में बजट बंटवारे को लेकर विवाद गहराया, गोंडवाना पार्टी का विरोध तेज

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले के जनपद पंचायत पोंड़ी-उपरोड़ा में ३० अप्रैल २०२५ को आयोजित सामान्य सभा में १ करोड़ ४७ लाख रुपये के बजट वितरण को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। १३ मई बुधवार को गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जनपद सदस्यों ने एसडीएम तुलाराम भारद्वाज से मुलाकात कर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत दर्ज कराई। सदस्यों ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की मनमानी को जनपद सीईओ का भी मौन समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि बजट राशि का वितरण नियमों की अनदेखी कर मनमाने ढंग से किया गया, जो वित्तीय पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत है।एसडीएम भारद्वाज ने आश्वासन दिया कि १५वें वित्त आयोग की राशि का वितरण सभी पंचायतों में निष्पक्षता के आधार पर किया जाएगा और किसी के साथ पक्षपात नहीं होगा। सभी सदस्यों से आवेदन लेकर न्यायसंगत प्रक्रिया अपनाई जाएगी। वही गोंडवाना पार्टी ने इस मुद्दे को संवैधानिक अधिकारों और वित्तीय न्याय से जोड़ते हुए चेताया कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों की अनदेखी की, तो यह आंदोलन भ्रष्टाचार और मनमानी के खिलाफ जनजागरण का रूप लेगा। सबसे गंभीर सवाल यह है कि जब पाली-तानाखार क्षेत्र से गोंडवाना पार्टी का विधायक चुना गया है, तब भी पार्टी समर्थित जनपद सदस्यों के साथ भेदभाव और दुर्व्यवहार क्यों किया जा रहा है? यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के मूल्यों पर सवाल खड़े करती है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी संदेह उत्पन्न करती है।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com